वर्ष-12 , अंक-28 प्रयागराज, रविवार 14 जुलाई 2024 से शनिवार 20 जुलाई 2024 तक — पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

आधुनिक समाचार नेटवर्क

Download From

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

12 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE NAINI ALLAHABAD

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज मे न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रौहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रो का सिकंदराबाद मे रेलवे मे चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद मे चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखे और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य मे और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

डाक पंजीयन नं. AD -99/2024-2026 - website:www.aadhuniksamachar.com – E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com आधुनिक समाचार

14.07.2024.pmd 1 7/14/2024, 9:59 AM

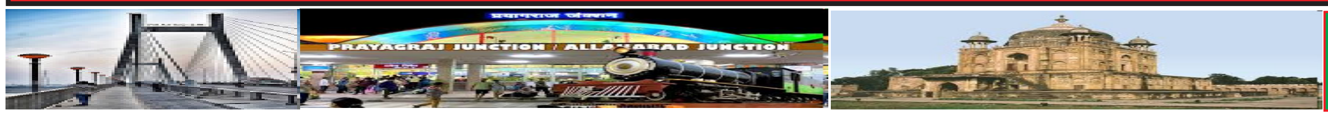

शुआट्स प्रयागराज सब मिशन ऑन एग्रीकचर एक्सटेंशन (आत्मा) सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रसार निदेशालय, शुआट्स, प्रयागराज मे उप कृषि निदेशक प्रसार, सोनभद्र द्वारा प्रयोजित सब मिशन ऑन एग्रीकचर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद सोनभद्र के बभनी, म्योरपुर तथा दुद्धी विकास खण्ड के कृषकों का दिनांक 13.07.2024 को सभागार, प्रसार निदेशालय मे सम्पन्न हुआ। निदेशक प्रसार शुआट्स डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों के साथ वार्तालाप कर उनके विचारों को सुना तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाये दी एवं उन्होनें कहा कि भविष्य में यदि कृषकों को कृषि सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी की आवश्यकता है तो वे प्रसार निदेशालय, शुआट्स से सम्पर्क कर सकते है। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रो0 (डा0) विश्वरुप मेहरा, प्रति कुलपति प्रशासन का निदेशक प्रसार द्वारा स्वागत किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो0 (डा0) विश्वरुप मेहरा, प्रति कुलपति प्रशासन, शुआट्स प्रयागराज ने किसानों से कहा कि इस पशिक्षण के द्वारा आपको कृषि सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्राप्त हुई होगी। अब आवश्यकता इस बात की है कि पशिक्षण के द्वारा प्राप्त तकनीकी ज्ञान का सदुपयोग अपने स्थानीय कृषि में करें लिससे कृषि क्रियाओं में सरलता हो एवं अधिक उत्पादन प्राप्त हो सके साथ ही उन्होनें कहा कि स्थानीय स्तर पर प्राप्त उपज से स्वयं सहायता समूह/कृषक उत्पादक संगठन के माध्यम से प्रसंस्कृत उत्पाद तथा उसकी मार्केटिगं करें तो अपनी उपज का अच्छा मूल्य कर सकते है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार, शुआट्स डा0 प्रवीन चरन ने कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस पांच दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा आपको कृषि सम्बन्धित विभिन्न विधाओं की जानकारी दी गयी एवं शुआट्स विश्वविद्यालय के शोध प्रक्षेत्रों का भ्रमण भी कराया गया है। मुख्य अतिथि प्रो0 (डा0) विश्वरुप मेहरा, प्रति कुलपति प्रशासन, शुआट्स, प्रयागराज द्वारा प्रतिभागी कृषकों को प्रमाण-पत्र एवं प्रशिक्षण साहित्य प्रदान किया गया। प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी0डी0 मिश्रा के द्वारा मुख्य अतिथि एवं कृषकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण कार्यकम के दौरान डा0 शिशिर कुमार ने श्रीअन्न (सांवा, कोदो, रागी, ज्वार, बाजारा) धान, अरहर, मक्का व अन्य फसलों पर विस्तृत जानकारी दी, प्रशिक्षण समन्वयक डा0 टी0डी0 मिश्रा ने कृषकों को उद्यान, नये बागो का रोपण, पुराने बागों का प्रबन्धन कलमी पौधो एवं संरक्षित खेती पर विस्तृत जानकारी दी, डा0 सरवेन्द्र कुमार ने पशुपालन एवं बकरी पालन से सम्बन्धित विस्तृत जानकरीदी डा0 मदन सेन सिंह ने बीज शोधन एवं भण्डारण एवं फसल कटाई उपरान्त प्रबन्धन की जानकरी डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव ने प्राकृतिक खेती पर विस्तृत जानकारी दी डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह ने सब्जियों की हाइड्रोपोनिक खेती एवं एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन पर विशेष जानकारी दी। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र प्रयागराज के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 मुकेश पी0 मसीह एवं प्रसार निदेशालय के वैज्ञानिक डा0 सरवेन्द्र कुमार डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित रहे।

महाकुंभ 2025 भव्यता बढ़ाने के आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में बैठक हुइ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज जिले में महाकुंभ 2025 की दिव्यता एवं भव्यता को बढ़ाने के दृष्टिगत विभिन्न विभागों द्वारा कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा शुक्रवार को प्रमुख सचिव, नगर विकास, अमृत अभिजात की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख सचिव ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में कार्य को अनिवार्य रूप से पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है।

सेवानिबृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शनिवार को सेवानिबृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तरप्रदेश जनपद शाखा सोनभद्र कि मासिक मीटिंग संगठन के अध्यक्ष सूरज बाली सिंह कि अध्यक्षता मे पूर्वाह्न 11 बजे से श्री राम जानकी मंदिर के परिसर पर संपन्न कि गई जिसमे काफ़ी अधिक सख्या मे पदाधिकारी व सदस्य गड़ उपस्थित रहे त् उपस्थित सदस्यो द्वारा सरकार की उदासीनता पर चर्चा करते हुए संगठन के आह्वान पर सदैव एकजुट रहने कि बात रखी गई पुरानी पेंसन बहाली , कोरोना काल मे रुके हुए बेतन का अंशदान सहित अन्य मांगो पर चर्चा कि गई त् मीटिंग मे नागेश्वर तिवारी , ईद राधेश्याम सिंह , लक्छ्मण प्रसाद , शिवगणेश , राम राज राम आदि लोगो ने अपना बिचार ब्यक्ति किया।

एस आर एस ग्रुप ने लॉन्च किया तीन सौ सीटर सिनेमा हॉल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। राजधानी लखनऊ मे विपुलखंड गोमतीनगर नगर स्थिति एस आर एस सिटी मॉल मे एस आर एस सिनेमा हॉल सिनेमा के शौक़ीनो के लिए लॉन्च किया जिसमे तीन सौ दर्शकों के बैठने की छमता है इस बात की जानकारी एस आर एस ग्रुप के एम डी टिक्कू सिंह ने पत्रकारों को दी आपको बताते चले कि देश एस आर एस ग्रुप का अपने आप मे यह चौथा सिनेमा हॉल है जहाँ पर लोग अपने परिवार के साथ बैठ कर फिल्मों का आनंद ले साथ सकते त् एस आर एस के एम डी ने लखनऊ के लोगों को एक बड़ी सौगात भी दी है उन्होंने बताया कि फ़िल्म देखने आने वालों के लिए 99 रूपए मे टिकट के साथ कोल्ड ड्रिंक और एक पॉपकॉर्न का पैकेट भी दिया जायेगा तो है न महंगाई के इस दौर मे फिल्मों के शौक़ीनो के लिए एक बड़ी खुशखबरी ।

प्रयागराज के वैदिक व पौराणिक तीर्थ स्थापित हों-राहुल चतुर्वेदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज विश्व में अद्भुत भौगोलिक संरचना थी ।जहां तीन तरफ नदिया मिलकर एक

त्रिकोण भूमि टापू बीच में बनाती थी। गुरुओं ऋषियों के कारण इस स्थान का प्रथम नाम तीर्थराज था। जीवन जीने की कला खेती विकसित होने के कारण यहां अनेक यज्ञ हुए और बाद में इसका नाम प्रयाग हुआ। प्रयागराज के वैदिक एवं पौराणिक तीर्थ और माधव पर आयोजित गोष्ठी में सर्वसम्मति से महाकुंभ के पहले प्रयागराज के सभी तीर्थ और आश्रम पर बोर्ड लगाए जाने का प्रस्ताव पास किया गया। जिससे महाकुंभ में आने वाले लोग इन स्थलों को भी जान सके। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने कहा कि प्रयागराज अद्भुत था। इसकी भौगोलिक संरचना विश्व में सबसे अलग हटकर थी। इसी तरह ऋषियों मनीषियों के कारण यह स्थान तीर्थराज था। प्रयागराज के सारे तीरथ और आश्रम अगर महाकुंभ के पहले स्थापित होंगे तो प्रयागराज की गरिमा और बढ़ेगी। प्रयागराज के वैदिक और पौराणिक तीर्थ की खोज करने वाले प्रयागराज विद्वत परिषद के समन्वयक गोष्टी के मुख्य वक्ता वीरेन्द्र पाठक ने बताया कि प्रयाग में गंगा पश्चिम वाहिनी होकर यमुना में मिलती थी। इस तरह एक सम त्रिभुज बन जाता था। यही त्रिकोण भूमि के कारण इस स्थान पर छह तट थे। इन्हीं तट पर प्रयागराज के तीर्थ और ऋषियों के आश्रम भी थे। यहां पर वशिष्ठ का आश्रम था। परशुराम का आश्रम था। महर्षि भारद्वाज विश्वामित्र दुर्वासा का आश्रम था।कुबेर और यम का स्थान भी यहीं था उनका मानना था कि जल ही यहां तीर्थ है। अक्षय वट मूल स्थान जिसके पत्ते पर विष्णु के बाल रूप का वर्णन मिलता है प्रयागराज के देवता विष्णु माधव स्वरूप में यहां विराजमान है। तीन माधव वट के मूल और दाएं बाएं तथा आठ माधव 8 दिशाओं में जल के किनारे विराजते हैं। इनके साथ ही इनकी जोगणिया भी यहां पर विराजती हैं। वेणी माधव गंगा और यमुना के संधि स्थान पर लक्ष्मी के साथ विराजते हैं। दिशाओं के अनुसार ही इन्हीं गंगा और यमुना के तट पर वरुण इंद्र यमराज कुबेर सूर्य आदि गणेश सहित सभी देवता विराजते हैं। उन्होंने शास्त्रों में प्रयागराज की भौगोलिक स्थिति भूगोल तथा आधुनिक तकनीक सैटलाइट पिक्चर्स के जरिए यह साबित किया कि प्रयाग से लेकर चित्रकूट तक धरती ऊंची होती चली जा रही है । इसी तरह संगम से खागा तक भूमि ऊंची हो रही है । ऐसे में संगम वर्तमान स्थान के आसपास ही था ना कि किसी अन्य स्थान पर। उन्होंने सैटलाइट पिक्चर्स के जरिए यह साबित किया कि बक्शी बांध बनने के बाद तथा किला के निर्माण आने के बाद गंगा की वर्तमान धारा का स्वरूप आया है। संगम का बदलाव थोड़ा ही हुआ है। उन्होंने सैटलाइट पिक्चर्स के जरिए प्रयागराज की सीमा पर तीन संरचनाओ को दिखाया नागवासुकी तक्षक तीर्थ और सोमेश्वर तीर्थ त्रिभुज के बिंदु के रूप में है । तीनों की दूरी एक समान है । और तीनों की दूरी कुल 5 कोश है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर ललित त्रिपाठी ने कहा कि निश्चित ही ऋषियों मनीषियों के इस क्षेत्र में रहने के कारण इसका प्रथम नाम तीर्थराज ही है । उन्होंने गंगा और यमुना के संगम तथा यहां के तीर्थ के महिमामंडन की बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्य वक्ता ने हमारे लिए कई शोध के आयाम खोल दिए हैं। उनसे सार्वजनिक रूप से को गाइड के रूप में प्रस्ताव करता हूं। जिससे इस पर कई शोध किया जा सके। प्रोफेसर के बी पांडे यहां के ऋषियों की महिमा बखानी साथ ही महर्षि भारद्वाज के बारे में बताया कि यहां पर महर्षि भारद्वाज जैसे अनेक गुरुकुल थे इसीलिए इसे तीर्थराज कहा गया। प्रारंभ में प्रयागराज में माधव और उनके स्थान नामक एक पुस्तक का विमोचन हुआ। इसमें 12 माधव के शास्त्रीय वर्णन को प्रकाशित किया गया है। कौन-कौन माधव है। वह कहां विराजते हैं तथा उनके साथ उनका महात्म्य क्या है। उल्लेखनीय है कि 1900 के बाद की पुस्तकों में शास्त्रीय आधार नहीं लिया गया है। तथा जगह-जगह मंदिर बताए गए हैं। जबकि शास्त्रीय आधार के अनुसार पवित्र गंगा जमुना के संधि स्थल तथा अक्षय वट की आठ दिशाओं में गंगा और यमुना के तट पर 12 माधव विराजते हैं। अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादों ने सरकार की नीतियों को बताया और कहा कि किस तरह से स्वच्छता और पर्यावरण के लिए हम प्रयागवासी महाकुंभ के पहले कार्य कर सकते हैं। कार्यक्रम में विद्वत परिषद के रामनरेश पिण्डीवासा शैलेंद्र अवस्थी बृजेंद्र मिश्रा राजेंद्र पांडे भोला तिवारी शरद पांडे अभिषेक मिश्रा विक्रम मालवीय अनिल पांडे प्रमोद शुक्ला अमित मिश्रा रघुनाथ द्विवेदी आरव भारद्वाज अनुराग द्विवेदी उषा पांडे कुलदीप शुक्ला देवेंद्र सिंह देवांशु पंकज शुक्ला मोहम्मद आमिर मो लाइक नीतेश सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के हाल में आयोजित हुआ। संचालन धीरज मिश्रा ने किया। इस अवसर पर योग शिविर का उद्घाटन भी किया गया

आवश्यक सूचना

मै अनुपम श्रीवास्तव निवासी बी एल 02 विश्व बैंक एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज का रहने वाला हू। मेरे पुत्र का नाम पहले कुछ दस्तावेजो में कान्हा श्रीवास्तव था एवं अभी वर्तमान में हमने अपने पुत्र का नाम अव्युक्त श्रीवास्तव कर दिया।

महिला दारोगा ने साइबर जागरूकता अभियान चलाकर स्कूली छात्राओं को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। साइबर क्राइम से होने वाली हानि के बारे में महिला दारोगा शालिनी सिंह नागर ने छात्राओं से मुलाकात कर उन्हें जानकारी से अवगत कराया। साथ ही नए कानून के बारे में भी जानकारी दी। चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान, शक्ति मिशन 4.0 विशेष अभियान के तहत साइबर जागरूकता सेमिनार का आयोजन धूमनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मुंडेरा के समीप सेंट विष्णु इंटर कॉलेज में किया गया। सेमिनार में भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। महिला सब इंस्पेक्टर शालिनी सिंह नागर ने छात्राओं को सेमिनार के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग, शेयर बाजार में इन्वेस्ट के नाम पर होने वाले फ्रॉड, ब्लैक मेलिंग के नाम पर पैसे की ठगी आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन लोगों को अवगत कराया। साथ ही किसी भी व्यक्ति के साथ यदि साइबर फ्राड होने की दशा में तत्काल जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें और एवं शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

रावट्र्सगंज के व्यापारियों से अवैध रूप से वसूली बर्दाश्त नहीं होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। नगर पालिका परिषद रावट्र्सगंज सोनभद्र क्षेत्र के व्यापारियों से पटरी व सड़क किनारे नाली के ऊपर ढक्कन लगाने के

नाम पर कार्यदायी संस्था मै श्याम कुमार एण्ड कम्पनी प्रा लि नईदिल्ली व जल निगम (शहरी)विभाग द्वारा मनमानी और अवैध रूप से पैसा माँग कर कार्य करने को ग़लत ठहराया और लगातार आ रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश महामंत्री देवेंद्र भाई पटेल ने नगर विकास मंत्री से इसकी शिकायत की और कहाँ की जल निगम (शहरी) और कार्यादायी संस्था मै श्याम कुमार एण्ड कंपनी प्रा लि नई दिल्ली द्वारा अवैध वसूली क़तई बर्दाश्त नहीं है। नगर विकास मंत्री ने तत्काल जाँच कर कार्यवाही करने को कहा और योगी जी की नीतियों को ज़मीन पर उतारने को कहा।

यातायात पुलिस प्रयागराज एवं नैनी औद्योगिक प्रथिक्षण केन्द्र के संयुक्त प्रयास से चलाया गया यातायात नियम जागरुक्ता अभियान

घायल का वीडियो बाद मे बनाये पहले उसको अस्पताल पहुँचाये- पवन कुमार पाण्डेय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नैनी/प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा यातायात जागरूकता के लिए जमुनापार में 10 बोर्ड लगाये गए जिसका उद्घघाटन निरीक्षक पवन पांडे ने किया इस अवसर पर पार्षद धरनेश सिंह अरविंद राय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संघ, श्वेता साहू जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय मानव अपराध नियंत्रण ब्यूरो,वरिष्ठ नागरिक धर्मवीर यादव,रचना त्रिवेद अजय सिंह, यासीन, अभिषेक तिवारी, अमनदीप, रोहित यादव, बीना, निहारिका, सुनिधि नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के संरक्षक श्री महेंद्र अरोड़ा मौजूद रहे डिस्प्ले बोर्ड के उद्घघाटन के बाद मुख्य अतिथि (यातायात निरीक्षक) ने नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक की कार में स्वयं जागरुक्ता स्टीकर लगाकर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया केंद्र के छात्रों और स्थानीय नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। पवन पांडे ने बताया कि नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में छात्र बहुत अच्छे नागरिक हैं देश के लिए तैयारी हो रही है। यूपीएसआइए के अध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्र प्रयागराज के सभी उद्योगों में अपनी सेवा दे रहे हैं, ये छात्र औद्योगिक क्षेत्र के लिए सांस का कार्य कर रहे हैं छविनाथ यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि यहां के छात्र और कार्यक्रम कैरियर उन्मुख हैं जिनमें अच्छे नागरिक विकसित होंगे और अपराध दर में कमी आएगी। पार्षद धरनेश ने बताते हुए कहा कि केन्द्र स्थानीय क्षेत्र के लिए बहुत ही लाभदायक है जिसके यहां क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। उमेश यादव जी ने बताया कि यहां के बहुत से स्टूडेंट्स उनके अक्सर इंडस्ट्रीज से निकलते हुए मिलते हैं, जिससे उनको इस सेंटर मे गर्व महसूस होता है। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों ने शपथ ली कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करेंगे और जागरूकता फैलाएंगे। विद्यार्थियों ने आदर्श नागरिक बन कर ट्रैफिक नियमो का पालन करने की शपथ नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौशल विकास का अध्ययन करने से छात्रों को विविध प्रकार के कौशल विकसित करने में मदद मिलती है जो न किसी एक पेशे में बल्कि विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी मूल्यवान है - कुंवर सिंह। इस कार्यक्रम में कॉलेज के अधिकारियों का एक दल उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र के बाहर प्रशिक्षण नियम लागू करने को लेकर एक अभियान चलाया जिसमें उन्होंने बोर्ड लगा कर लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाग लिया तथा पांडे जी ट्रैफिक इंस्पेक्टर, मोहम्मद कौसर रोहित आदि लोग मौजूद रहे केन्द्रे के बहार सभी ने वृक्षारोपण कर वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने की बात कही मोहम्मद कौसर एडमिशन इंचार्ज एन आई टी सी ने बताया वह शैक्षणिक सुविधाओं और प्रशिक्षण प्लेसमेंट से बहुत संतुष्ट हैं, उन्होंने घोषणा की कि एनआईटीसी प्रयागराज में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्रों में से एक है। यहाँ गुरु शिष्य परम्परा का पालन होता है एवं छात्रों का सम्मान करते हुये कहा कि यह केंद्र के लिये गौरव की बात है केंद्र के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया।

यातायात नियमो का पालन करें- पवन कुमार पाण्डे
सौजन्य- आधुनिक समाचार नेटर्वक

जुगैल हत्या काण्ड का पुलिस ने किया खुलासा हत्या मे शामिल पति पत्नी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र जुगैल। बिते गुरूवार को जुगैल थाना क्षेत्र के पचपेडिया में सनद नायक नामक युवक की हत्या का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा कर दिया युवक की हत्या में शामिल पति पतनी को गिरफ्तार करते हुए आलाकत्ल कुल्हाड़ी भी बरामद कर लियाँ पुलिस अधीक्षक के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मु(0) के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी ओबरा के कुशल पर्यवेक्षण में तथा वर्तमान समय में चल रहे अभियान के अनुपालन के क्रम में थाना जुगैल पर पंजीकृत मु0अ0सं0 62/2024 धारा 103(1), 238, 61(2) बी.एन.एस. थाना जुगैल जनपद सोनभद्र में वांछित अभियुक्त ईश्वर प्रसाद खरवारं पुत्र बुल्लू खरवार निवासी ग्राम जुगैल टोला पचपेडिया थाना जुगैल जनपद सोनभद्र उम्र 22 वर्ष को गुरुवार समय 16.00 बजे मुखबीर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्ता सरस्वती पतनी ईश्वर प्रसाद खरवार निवासी जुगैल टोला पचपेडिया थाना जुगैल जनपद सोनभद्र 22 वर्ष को शुक्रवार समय 05.40 बजे मुखबीर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त ईश्वर प्रसाद खरवार के निशान देही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल 01 अदद कुल्हाडी भी बरामद किया गया जिसके बाद दोनों। अभियुक्तगणो को मा0 न्यायालय भेज दिया गया गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक जुगैल देवीवर शुक्ला , उ0नि0 सूर्यभान उ0नि0 बृजराज यादव हे0का0 शिवबहादुर खान थाना ,हे0का0 राधेमोहन कुशवाहा ,का0 नागेन्द्र सिंह यादव ,का0 गिरजेश राजपूत थाना ,म0का0 प्रिया पाठक थाना म0का0 अंनली सरोज म0का0 अनिता थाना जुगैल सामिल रहे।

जनपद के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला, सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी पिपरी व क्षेत्राधिकारी घोरावल ने सुनी फरियादियों की समस्याएं- जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीमों द्वारा गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश इजनपद के समस्त थानों पर ठथाना समाधान दिवसठ का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर डॉ चारु द्विवेदी द्वारा थाना चोपन पर, क्षेत्राधिकारी पिपरी श्री अमित कुमार द्वारा थाना पिपरी पर व क्षेत्राधिकारी नगर श्री राहुल पाण्डेय द्वारा थाना शाहगंज पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण किया गया।

ग्रामीणों के जान के साथ खेलावड़ कर रहे हैं ऑटो चालक, प्रशासन मौन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला, सोनभद्र। जहां एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सीडेंट के रोकथाम हेतु पूरे प्रदेश में प्रशासन एवं परिवहन विभाग को पखवारे का अभियान चला कर आदेश जारी किया जाता रहा हैं लाइसेंस एवं ओभरलोड को लेकर सजग रहे ताकि 50 एक्सीडेंट को रोका जा सके वही प्रशासन देखते हुए भी मौन हैं क्यों? चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटा के टोला गुरमुरा में वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग पर वषी से बृहस्पतिवार को साप्ताहिक बाजार लगता चला आ रहा हैं परन्तु सुरक्षा को लेकर आजतक कोइ व्यवस्था नहीं की गई और ऑटो चालक रोड के पटरी पर खडा कर के दूर दराज से बाजार करने आए ग्रामीणों को भेड़ बकरीयों की तरह ऑटो मे भरते हैं अगर संख्या में देखा जाए तो लगभग 25 से 30 लोगों को बैठा कर उनके गांव के लिए रवाना होते जबकि बाजार डायल 112न0 पीआरबी खड़ी भी रहती हैं लेकिन पुलिस को देखकर भी ऑटो चालक बिना डर भय भर्राटे भरते हैं और पुलिस देख कर भी अपनी आंखे बंद कर मौन रहते हैं। अभी कुछ दिन पहले 11जुलाई दिन बृहस्पतिवार को एक नाबालिक ऑटो चालक ऑटो में लगभग 25 की संख्या में लोगों को बैठा कर अबाड़ी को चल दिया और अचनक तेंदुहवा नाला के पास ढलान पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें सात लोग महिला सहित घायल हो गए और आदिवासी ग्रामीणों का बाजार किया हुआ सारा सामान छीतर बितर हो गया। वही ऑटो पलटने के बाद ऑटो पर सवार भाजपा गुरमुरा बूथ अध्यक्ष बक्कल खरवार ने शक्ति केन्द्र प्रभारी कोटा व पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन व शक्ति केन्द्र प्रभारी गुरमुरा संतोष कुमार बबलू को घटना की समस्त जानकारी दी, घटना की जानकारी मिलते ही नाबालिक ऑटो चालक 16 वर्षीय मोहन पुत्र महेश एवं साथ ही सभी घायलों में राम सूरत पुत्र बसंत (42), सोनकुमारी पतनी बसंत (33), 27 वर्षीय भगवंती पतनी नंदलाल, सुखवंती पतनी देवसरन (40), रामलाल पुत्र देवसरन (13), संजय पुत्र संतलाल (13) सभी घायल चोपन थाना अन्तर्गत अबाडी गांव के रहने वाले है। घायलों को टेम्पो से चोपन सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत चोपन के चिकित्सक द्वारा बेहतर इलाज के लिए सुखवंती, रामलाल, संजय को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एंबुलेंस नहीं आ सकी ऑटो पलटने के बाद नही काम आ सका डायल 112 व एम्बुलेंस का टोल फ्री नंबर पर स्थानीय लोगों ने इन दोनो नंबर पर फोन लगाते रहे लेकिन नही लगा तब थक हार कर सभी घायलों को ऑटो से चोपन अस्पताल ले जाया सका ।

अज्ञात कारणों से 35 वर्षीय भाभी पर कुल्हाड़ी से प्रहार कर देवर ने की हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। विकासखंड के थाना विंढमगंज क्षेत्र से महज 6 किलोमीटर दूर स्थित झारखंड राज्य के नगर उंटारी थाना अंतर्गत अमरसरई कुंबा खुर्द में एक देवर ने अपनी ही भाभी की कुल्हाड़ी से प्रहार कर निर्मम हत्या कर दी। विकास खण्ड दुद्धी के अंतर्गत धरतीडोलवा ग्राम मानिकचंद उरांव की पुत्री मृतिका रीना देवी उम्र लगभग 35 वर्ष पतनी राजकुमार उरांव के साथ मिलजुल कर अपना व अपने बच्चों का भरण पोषण परवरिश मेहनत मजदूरी करके चल रहा था। इसी बीच राजकुमार उरांव बाहर बोकारो स्टील प्लांट जमशेदपुर में मेहनत मजदूरी करने के लिए चला गया था। घर में सिर्फ मृतिका रीना देवी व उसके छोटे बच्चे मौजूद थे। बीते शुक्रवार की शाम लगभग 6:00 बजे किसी अज्ञात कारणों को लेकर देवर विजय उरांव से झगड़ा हो गया और देवर आपा खो बैठा और भाभी को कुल्हाड़ी से सिर से लेकर गर्दन तक कई हमले किए। जिससे मौके पर ही मौत हो गई ?। घटना को अंजाम देने के बाद अपनी भाभी को मृत पड़ा देखकर देवर घर से भागने में कामयाब रहा पुलिस के गिरफ्त में समाचार लिखे जाने तक नहीं पकड़ा जा सकता था। सूचना पर मृतिका का पिता मानिकचंद उरांव अपने गांव के ग्राम प्रधान सुरेंद्र पासवान के साथ मौके पर पहुंच घटना के बाबत जानकारी जुटाया व छोटे-छोटे बच्चों को साथ में रखा। देर शाम पहुंचे थाना नगर उंटारी के प्रभारी दल बल के साथ मौके पर पहुंच शव को कब्जे में कर पंचनामा कराकर कर पोस्टमॉर्टम हेतु जिला अस्पताल गढ़वा को भेज दिया गया।

ग्रामीणों के जान के साथ खेलावड़ कर रहे हैं ऑटो चालक, प्रशासन मौन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
डाला, सोनभद्र। जहां एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सीडेंट के रोकथाम हेतु पूरे प्रदेश में प्रशासन एवं परिवहन विभाग को पखवारे का अभियान चला कर आदेश जारी किया जाता रहा हैं लाइसेंस एवं ओभरलोड को लेकर सजग रहे ताकि 50ड् एक्सीडेंट को रोका जा सके वही प्रशासन देखते हुए भी मौन हैं क्यों चोपन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटा के टोला गुरमुरा में वाराणसी शक्तिनगर राजमार्ग पर वर्षी से बृहस्पतिवार को साप्ताहिक बाजार लगता चला आ रहा हैं परन्तु सुरक्षा को लेकर आजतक कोइ व्यवस्था नहीं की गई और ऑटो चालक रोड के पटरी पर खडा कर के दूर दराज से बाजार करने आए ग्रामीणों को भेड़ बकरीयों की तरह ऑटो मे भरते हैं अगर संख्या में देखा जाए तो लगभग 25 से 30 लोगों को बैठा कर उनके गांव के लिए रवाना होते जबकि बाजार डायल 112न0 पीआरबी खड़ी भी रहती हैं लेकिन पुलिस को देखकर भी ऑटो चालक बिना डर भय भर्राटे भरते हैं और पुलिस देख कर भी अपनी आंखे बंद कर मौन रहते हैं। अभी कुछ दिन पहले 11जुलाई दिन बृहस्पतिवार को एक नाबालिक ऑटो चालक ऑटो में लगभग 25 की संख्या में लोगों को बैठा कर अबाड़ी को चल दिया और अचनक तेंदुहवा नाला के पास ढलान पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें सात लोग महिला सहित घायल हो गए और आदिवासी ग्रामीणों का बाजार किया हुआ सारा सामान छीतर बितर हो गया। वही ऑटो पलटने के बाद ऑटो पर सवार भाजपा गुरमुरा बूथ अध्यक्ष बक्कल खरवार ने शक्ति केन्द्र प्रभारी कोटा व पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन व शक्ति केन्द्र प्रभारी गुरमुरा संतोष कुमार बबलू को घटना की समस्त जानकारी दी, घटना की जानकारी मिलते ही नाबालिक ऑटो चालक 16 वर्षीय मोहन पुत्र महेश एवं साथ ही सभी घायलों में राम सूरत पुत्र बसंत (42), सोनकुमारी पतनी बसंत (33), 27 वर्षीय भगवंती पतनी नंदलाल, सुखवंती पतनी देवसरन (40), रामलाल पुत्र देवसरन (13), संजय पुत्र संतलाल (13) सभी घायल चोपन थाना अन्तर्गत अबाडी गांव के रहने वाले है। घायलों को टेम्पो से चोपन सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत चोपन के चिकित्सक द्वारा बेहतर इलाज के लिए सुखवंती, रामलाल, संजय को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। एंबुलेंस नहीं आ सकी ऑटो पलटने के बाद नही काम आ सका डायल 112 व एम्बुलेंस का टोल फ्री नंबर पर स्थानीय लोगों ने इन दोनो नंबर पर फोन लगाते रहे लेकिन नही लगा तब थक हार कर सभी घायलों को ऑटो से चोपन अस्पताल ले जाया सका ।

कम्पोजिट विद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण से रोस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। थाना दिवस पर आए फरियादी सुरेश चंद्र शुक्ल पुत्र व्रतराज शुक्ल ग्राम पंचायत अमौली पोस्ट अमौली थाना तहसील राबर्टसगंज जो वर्तमन में ग्राम पंचायत अमौली का प्रधान है। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष 2023 में वि?द्यालय की चहर दीवारी आंधी में गिर गई थी प्राथर्थी वर्तमान में चहर दीवारी का निर्माण करा रहा है बगल के कास्तकार नंदू यादव पुत्र स्वा डंगर यादव द्वारा वि?द्यालय की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है जिसको क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा कई बार नापी कर पत्थर गड़ी करा दिया गया है और नंदू यादव द्वारा भी स्वयं की जमीन को नपवाया गया है इसके बावजूद विद्यालय की जमीन छोड़ने के लिए तैयार नहीं है कार्य करने में अवरोध उत्तपनन कर रहे है और सरकारी कार्य में बार बार बाधा डाल रहे है क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा बार बार मना करने के बाद भी नहीं मान रहे है ऐसी स्थिति में निर्माण कार्य कराने के लिए पुलिस फोर्स की जरूरत महसूस हो रही है जिससे निर्माण कार्य कराया जा सके। ग्राम प्रधान ने बताया की मामले में सदर एसडीएम व बीएसए को पत्र देकर अवगत करा दिया गया है। वही इस मामले में सदर एसडीएम ने बताया कि विद्यालय का मामला होने के नाते बीएसए द्वारा एप्लीकेशन अवगत कराया जाएगा जिस पर मामला दर्ज कर संबंधितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं बीएसई ने बताया कि मामला संज्ञान में आ गया है इसकी संबंधित अध्यापक द्वारा जानकारी लेकर उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

हरि भरी हो धरा ,एक पौधा मां के नाम करें संरक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रावटसगंज नगर के आर एस एम इंटर कॉलेज परिसर में शनिवार को सदर ब्लाक प्रमुख के नेतृत्व में किया गया पौधारोपण संबंधित अध्यापकों को पर्यावरण को बनाए रखने के लिए पौधरोपण करने को दिलाई गई शपथ। वही मुख्य अतिथि सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने बताया कि पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 100 पौधे लगाने का स्कल्प लिया गया। पौधारोपण में शामिल प्रत्येक अध्यापक को पांच-पांच पौधे भी दिये दिए गए। वही श्री रावत ने बताया कि जिसप्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। पेड़-पौधे लगाने के बाद उनका संरक्षण करना भी बहुत अनिवार्य है। वही विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेश सिंह ने वहां मौजूद छात्र व छात्राओं और स्टाफ के साथ मिलकर स्कूल प्रांगण में पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने स्कूल प्रांगण में 100 पौधे लगाए और उनका संरक्षण करने का संकल्प भी लिया। श्री सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनसे पृथ्वी पर ऋतु चक्र बना रहता है। ऋतु चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य है। हमें पौधे का पेड़ बनने तक बच्चों की तरह संरक्षण करना चाहिए। पौधा पेड़ बनकर हमें फल देता है। वहीं एक पेड़ सैकड़ों जिंदगियां बचाने में सक्षम होता है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अज्ञानता और स्वार्थ के चलते पेड़ों की कटाई कर देते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान होता है। इस मौके परराजा शारदा बस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बृजेश सिंह सदर ब्लाक प्रमुख क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार राव वरिष्ठ प्रवक्ता जितेंद्र सिंह दिवाकर सिंह प्रदीप कुमार सिंह संदीप कुमार दिनेश आदि मौजूद थे।

योगी के बुलडोजर राज के खिलाफ एकजुट हुए राजनीतिक दल और संगठन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
लखनऊ। अकबरनगर के बाद पंतनगर, अबरार नगर, खुर्रम नगर, रहीम नगर और स्कॉपियो कॉलोनी समेत लखनऊ की विभिनन बस्तियों को खाली करने और बुलडोजर से तहस-नस करने की कार्रवाई और प्रदेश को तबाह करने वाले नजूल संपत्ति अधिग्रहण अध्यादेश के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिनन राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज की बैठक सीपीएम राज्य कार्यालय पर हुई। बैठक में लखनऊ बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया और पूरे लखनऊ में बेदखली के खिलाफ शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक संवाद अभियान चलने का निणय हुआ। इस अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों से मिलने, न्यायालय में हस्तक्षेप करने और जनता से संवाद करने का निणय हुआ है। इसका पहला सम्मेलन 10 जुलाई को खुर्रम नगर में आयोजित किया जाएगा। बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव सीपीएम राज्य सचिव मंडल सदस्य मधु गर्ग ने रखा और अध्यक्षता सपा से मेयर की प्रत्याशी रही वंदना मिश्रा व संचालन ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव संगठन दिनकर कपूर ने किया। बैठक में पारित किए गए राजनीतिक प्रस्ताव में कहा गया कि शंकराचायी और धर्म गुरूओं के विरोध के बावजूद धार्मिक और आस्था की नगरी वाराणसी और अयोध्या को पर्यटन नगरी में तब्दील करने के लिए बड़े पैमाने पर की गई तहस-नहस की कार्रवाई के बाद अब भाजपा-आरएसएस की सरकार अदब के नगर लखनऊ को बर्बाद करने पर तुली है। गुजराती रियल स्टेट कारोबारी के लिए पूरे लखनऊ में बेदखली अभियान चल रहा है। कालोनियों और बस्तियों को खाली कराया जा रहा है और आम आदमी की जीवन और आजीविका को गहरे संकट में डाल दिया गया है। चुनावों में बुरी तरह हुई हार से सबक सीखने की जगह अभी भी योगी सरकार बुलडोजर राज चलाने में पर आमादा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के अंतर्गत लखनऊ के ग्रामीण क्षेत्र को भी लेने का निणय हुआ है। अब गांव में भी मकान बनवाने पर एलडीए से नक्शा पास करना होगा जिसकी मनमानी कीमत एलडीए ने तय कर रखी है। इससे महंगाई की मार से पीडि़त जनता के ऊपर और बड़ा बोझ आएगा प्रस्ताव में कहा गया कि योगी सरकार ने मार्च में नजूल सम्पत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) अध्यादेश 2024 लाकर पूरे प्रदेश में इन जमीनों पर बसे हुए लोगों की बेदखली का रास्ता खोल दिया है। अंग्रेजों के जाने के बाद जो भूमि बिना किसी मालिकाना अधिकार के पड़ी रही वह नजूल भूमि थी और इस पर बहुत तेरे लोगों ने अपना मकान, दुकान आदि का निर्माण कर जीवन निर्वाह कर रहे है।

देश/विदेश

मेरा देश भारत

संक्षिप्त समाचार

गांवों को स्वच्छ और सुजल बनाने के अभियान को गति देने में जुटी केंद्र सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। देश के सभी गांवों को स्वच्छ व सुजल बनाने के अपने अभियान को केंद्र सरकार और गति देने की तैयारी में है। इसके लिए सरकार यह जमीनी वास्तविकता पूरी तरह से पुष्ट कर लेना चाहती है कि अब तक कितने गांव ओडीएफ प्लस श्रेणी में आ चुके हैं और कितने गांवों में हर घर नल से जल पहुंचने

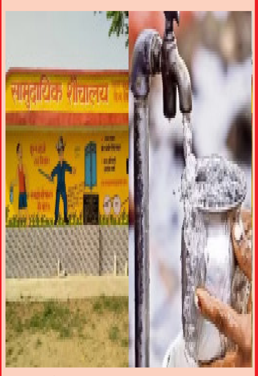

लगा है। तय मानकों के आधार पर खुद ग्राम पंचायतें ही इसकी घोषणा और प्रमाणीकरण करें, इसके लिए सभी राज्यों को एक सप्ताह तक विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन का निर्देश केंद्र सरकार की ओर से दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता संभालते ही स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया। पहले तो गांवों को खुले में शौचमुक्त करते हुए उन्हें ओडीएफ बनाने का अभियान शुरू किया गया। फिर स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण के दूसरे चरण में 2025 तक सभी गांवों को ओडीएफ प्लस बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया। भी तीन श्रेणियों में बांट दिया गया। ओडीएफ प्लस आकांक्षी गांव वह हैं, जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन या तरल अपशिष्टप्रबंधन की व्यवस्था हो। ओडीएफ प्लस उभरते गांव वह हैं, जिनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और तरल अपशिष्ट प्रबंधन दोनों की व्यवस्था और ओडीएफ प्लस माडल श्रेणी में ऐसे गांव रखे गए हैं, जहां दोनों तरह के अपशिष्ट प्रबंधन के साथ वहां न्यूनतम अपशिष्ट हो, सार्वजनिक स्थान पर खुले में कूड़ा डंप न होता हो और अन्य सुविधाएं भी हों। इसी तरह जल जीवन मिशन के तहत सरकार सभी गांवों में हर घर नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना चाहती है। केंद्र सरकार के पास अभी तक 14.91 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचने का आंकड़ा है और 5.45 लाख गांवों ने खुद को ओडीएफ प्लस घोषित किया है। अब पंचायतीराज मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि 22 से 26 जुलाई और दो अक्टूबर तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाए। इनके माध्यम से ओडीएफ प्लस की तीनों श्रेणियों और हर घर नल से जल पहुंचने की स्थिति का प्रमाणीकरण कर घोषणा की जाए। इनके आंकड़ों को जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इस अभियान में सभी संबंधित विभागों को प्रतिभाग करने के लिए कहा है। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, आंकड़े सामने आने के लक्ष्य प्राप्ति के लिए अभियान भी शुरू किए जाएंगे।

कांग्रेस के विधायकों ने की जमकर क्रॉस वोटिंग, एमएलसी चुनाव में इस रणनीतिकार ने दिलाई भाजपा को जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। लोकसभा चुनाव में करारा झटका झेलने के कुछ ही सप्ताह के अंदर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन ने विपक्षी दलों की महाविकास आघाड़ी (मविआ) को विधान परिषद चुनाव में धूल चटाकर आगे की रणनीति के संकेत दे दिए हैं। शुक्रवार को विधान परिषद की 11 सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपानीत महायुति (गठबंधन) अपने सभी नौ उम्मीदवार जिताने में सफल रही, जबकि मविआ के तीन में से दो ही उम्मीदवार जीत सके महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में भाजपा गठबंधन ने कमाल का प्रदर्शन किया है। 11 में नौ सीटों पर भाजपा गठबंधन ने कब्जा जमाया है। सबसे अधिक पांच सीटों पर भाजपा और शिवसेना व राकांपा ने दो-दो सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस ने एक और

शिवसेना (ऊबाठा) ने एक-एक सीट जीती है। एक सीट पर जयंत पाटिल को हार का सामना करना पड़ा हमहाराष्ट्र में महायुति में शामिल सभी दल राजग के सदस्य हैं। लोकसभा चुनाव के बाद विधान परिषद चुनावों पर सभी की निगाहें लगी थीं। क्योंकि इन चुनावों में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की एकता और रणनीतिक कुशलता परखी जानी थीं, लेकिन विपक्षी दलों का गठबंधन इन दोनों मोर्चों पर असफल सिद्ध हुआ। इन चुनावों में सभी उम्मीदवारों को जीत के लिए कम से कम 23-23 मतों की आवश्यकता थी।भाजपा अपने सभी उम्मीदवारों के लिए 26-26 मत जुटाने में सफल रही। उसकी सहयोगी राकांपा (अजीत) के भी दोनों उम्मीदवार क्रमशः 23 और 24 मत लेकर विजयी रहे। शिवसेना (शिंदे) के दोनों उम्मीदवारों को भी क्रमशः 24 और 25 मत मिले। दूसरी ओर महाविकास आघाड़ी के दलों में सर्वाधिक 25 मत कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. प्रज्ञा सातव को मिले।शिवसेना (यूबीटी) के मिलिंद नार्वेकर को प्रथम चक्र में जीत के लिए जरूरी न्यूनतम मतों से एक कम 22 मत ही मिल सके थे। वह दूसरे चक्र में प्रज्ञा सातव के दूसरी पसंद के तीन अतिरिक्त मत पाकर विधान परिषद में पहुंच सके। जबकि नार्वेकर शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के निजी सचिव हैं और उन्हें उद्धव का दाहिना हाथ माना जाता है।एनडीए ने की विपक्ष में सेंधमारी महाविकास आघाड़ी के तीसरे उम्मीदवार राकांपा (शपा) समर्थित जयंत पाटिल को 12 मत पाकर हार का मुंह देखना पड़ा। जीत के बाद भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कांग्रेस के मत फूटने का दावा किया। यह बात सच साबित होती भी लग रही है, क्योंकि राकांपा (अजीत) के पास कुल 42 विधायक थे, लेकिन उनके दोनों प्रत्याशियों को कुल मिलाकर 47 मत मिले। इसी प्रकार भाजपा के अपने कुल 103 विधायक ही थे, लेकिन प्रथम चक्र की गिनती में ही वह अपने पांचो प्रत्याशियों के लिए 118 मत जुटाने में सफल रही। इस प्रकार प्रथम चक्र में ही उसके चार उम्मीदवार 26-26 मत पाकर जीतने में सफल रहे।प्रथम चक्र में 14 मतों तक ही पहुंच सके उसके पांचवे उम्मीदवार सदाभाऊ खोत भी दूसरे चक्र की गिनती के बाद 26 मतों तक जा पहुंचे। इस विजय का रणनीतिकार एक बार फिर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को माना जा रहा है। इस जीत के बाद विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आगे-आगे देखिए क्या होता है। विपक्ष के विकेट इसी तरह गिरते रहेंगे। हाल के लोकसभा चुनाव में सबसे बुरी हार अजित पवार की हुई थी। कयास लगाए जा रहे थे कि जल्दी ही उनके कई विधायक शरद पवार की पार्टी राकांपा (शपा) में चले जाएंगे।

कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी नागेंद्र को ईडी की बड़ी कार्रवाई, मनी लांड्रिंग मामले में किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी

लांड्रिंग जांच के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लांड्रिंग जांच के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है। ईडी ने इस मामले में गुरुवार को कर्नाटक समेत चार राज्यों में छापेमारी की थी और अब तक करीब 50 लाख रुपये नकद और कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। सूत्रों ने बताया कि नागेंद्र को शुक्रवार सुबह उनके आवास से ईडी दफ्तर ले जाया गया। उनसे 13 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद उन्हें रात करीब 10.30 बजे एजेंसी के दफ्तर में उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्हें शनिवार को विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा, जहां ईडी हिरासत में पूछताछ के लिए उनकी रिमांड की मांग करेगी। ईडी ने इस मामले में गुरुवार को कर्नाटक समेत चार राज्यों में छापेमारी की थी और अब तक करीब 50 लाख रुपये नकद और कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। इस घोटाले के सिलसिले में अपने खिलाफ लगे आरोपों के बाद नागेंद्र ने छह जून को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। निगम से जुड़े अवैध फंड ट्रांसफर के मामले का पता तब चला जब लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। चंद्रशेखरन ने सुसाइड नोट में दावा किया कि निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ रुपए अनाधिकृत रूप से स्थानांतरित कर दिए गए। चंद्रशेखरन ने नोट में निगम के अब निलंबित प्रबंध निदेशक जेजी पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी. दुरुगनवर और यूनियन बैंक आफ इंडिया की मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल का नाम लिया है। चंद्रशेखरन ने नोट में लिखा कि ''मंत्री'' ने धन हस्तांतरित करने के लिए मौखिक आदेश दिए थे।

कर्नाटक में जमीन घोटाले को लेकर भाजपा ने सीएम का मांगा इस्तीफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरमैया तानाशाह हैं। उन्होंने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाला मामले में सिद्दरमैया के इस्तीफे की मांग की। यह मामला मुख्यमंत्री

की पतनी को अवैध तरीके से जमीन आवंटित किए जाने से संबंधित है। प्रह्लाद जोशी ने भाजपा मुख्यालय में कहा, सिद्दरमैया खतरनाक तानाशाह बन गए हैं। वह अहंकारी और भ्रष्ट हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी, जो संविधान की एक प्रति लेकर भाषण देते हैं, एमयूडीए मामले के बारे में क्या कहेंगे आगे बोले कि अगर कांग्रेस आलाकमान के पास कोई ''कमान बचा है'' तो उन्हें तुरंत सिद्दरमैया को उनके पद से हटा देना चाहिए। इस मामले में मुख्यमंत्री की जांच जरूरी है। उनकी संलिप्तता के बिना इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार संभव नहीं है।केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरमैया तानाशाह हैं। वह अहंकारी और भ्रष्ट हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाया। उन्होंने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाला मामले में सिद्दरमैया के इस्तीफे की मांग की। यह मामला मुख्यमंत्री की पतनी को अवैध तरीके से जमीन आवंटित किए जाने से संबंधित है। जोशी ने भाजपा मुख्यालय में कहा सिद्दरमैया खतरनाक तानाशाह बन गए हैं। वहीं सिद्दरमैया ने शुक्रवार को दोहराया कि एमयूडीए मामले में उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है, क्योंकि वह पिछड़े वर्ग से आते हैं। इस बीच एमयूडीए घोटाले के खिलाफ प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसुरु जा रहे कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और कई अन्य पार्टी नेताओं को शुक्रवार को बेंगलुरु में हिरासत में लिया गया।

सुदर्शन पटनायक ने रूस में रचा इतिहास, जीता गोल्डन सैंड मास्टर पुरस्कार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने रूस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में शुक्रवार को गोल्डन सैंड मास्टर पुरस्कार जीता। इंटरनेशनल सैंड स्कल्पचर चैंपियनशिप का आयोजन चार से 12 जुलाई तक सेंट पीटर्सबर्ग में किया गया था। इसमें दुनिया के 21 कलाकारों ने भाग लिया। सुदर्शन ने यह पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई है। पटनायक ने 12 फुट ऊंची मूर्ति बनाई थी जिसमें एक रथ और भगवान जगननाथ को उनके भक्त बलराम दास के साथ दर्शाया गया था। बलराम दास 14वीं सदी के प्रसिद्ध ओडिया कवि थे। इस बीच, मास्को स्थित भारतीय दूतावास ने पटनायक को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। पदम श्री पुरस्कार से सम्मानित पटनायक ने दुनिया भर में 65 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्ट चैंपियनशिप में हिस्सा लिया है। वह रेत से कलाकृतियां बनाकर सामाजिक संदेश देने की कोशिश करते रहे हैं।

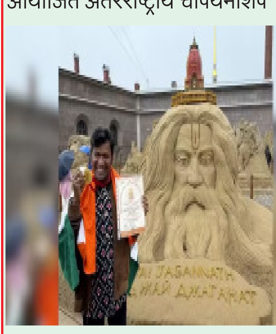

पड़ोसी देशों की टेंशन बढ़ाने आ रहा लड़ाकू विमान एलसीए 1ए वायुसेना को इस दिन सौंपेगा एचएएल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना की बहुप्रतीक्षित आस 15 अगस्त तक पूरी होने वाली है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने 15 अगस्त तक पहला एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन में समस्या और अमेरिकी इंजन निर्माता की ओर से इंजनों की आपूर्ति में देरी की वजह से यह विलंब हुआ है हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स

लिमिटेड 15 अगस्त तक भारतीय वायुसने को पहला एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। विमान को पहले इस साल फरवरी-मार्च तक वायु सेना को सौंपने की योजना थी लेकिन किसी न किसी कारण से इसमें बदलाव हो रहा है। वहीं वायु सेना प्रमुख सहित शीर्ष अधिकारी इस प्रतिष्ठित परियोजना में हुई प्रगति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सॉफ्टवेयर संबंधी कुछ समस्याएं रही हैं। हम इन मुद्दों को हल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। विमान को पहले इस साल फरवरी-मार्च तक वायु सेना को सौंपने की योजना थी, लेकिन किसी न किसी कारण से इसमें बदलाव हो रहा है। भारतीय वायु सेना चाहती है कि उसे उसके द्वारा बताई गई सभी महत्वपूर्ण विशिष्टताओं वाला फाइटर जेट मिले। वायु सेना प्रमुख सहित शीर्ष अधिकारी इस प्रतिष्ठित परियोजना में हुई प्रगति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा है कि अमेरिका द्वारा जीई-404 इंजनों की आपूर्ति में देरी के कारण ऑर्डर किए गए 83 एलसीए मार्क 1ए के कार्यक्रम में पहले ही कई महीनों की देरी हो चुकी है। उनके पास अन्य उच्च प्राथमिकता वाली परियोजनाएं होने के कारण यह देरी हुई है अब अमेरिकी निर्माता ने सितंबर-अक्टूबर से हर महीने एक या दो इंजनों की आपूर्ति शुरू करने का आश्वासन दिया है, लेकिन डिलीवरी में और तेजी लाने और हर महीने आपूर्ति की संख्या बढ़ाने की अपील की जाएगी।

मुंबई दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मुंबई से लगभग 29,400 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब साढ़े पांच बजे मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को प्रदर्शनी केंद्र पहुंचेंगे, जहां वे सड़क, रेलवे और बंदरगाह क्षेत्र से संबंधित कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद शाम करीब सात बजे प्रधानमंत्री बांद्रा कुर्ला

काम्प्लेक्स में आइएनएस टावर्स का उद्घाटन करेंगे।पीएम मोदी आज मुंबई दौरे पर आएंगे। यहां वह लगभग 29400 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब साढ़े पांच बजे मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को प्रदर्शनी केंद्र पहुंचेंगे जहां वे सड़क रेलवे और बंदरगाह क्षेत्र से संबंधित कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद शाम करीब सात बजे प्रधानमंत्री बांद्रा कुर्ला काम्प्लेक्स में आइएनएस टावर्स का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 16,600 करोड़ रुपये की लागत वाली ठाणे बोरीवली सुरंग परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे। प्रधानमंत्री 6,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड (जीएमएलआर) परियोजना में सुरंग की भी आधारशिला रखेंगे। पीएम मोदी नवी मुंबई में कल्याण यार्ड रीमॉडलिंग और गति शक्ति मल्टी माडल कार्गो टर्मिनल की आधारशिला भी रखेंगे। वह प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना का भी शुभारंभ करेंगे। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास और उद्योग में अवसर प्रदान करके युवा बेरोजगारी को दूर करना है।

नीता अंबानी ने लगवाई पूरे परिवार के नाम की मेहंदी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। देश के मशहूर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट आज शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। इस शादी समारोह में शामिल होने के लिए देश विदेश से आए मेहमानों का जमावड़ा भी लगा हुआ है। वहीं, अनंत अंबानी अपनी बरात को लेकर मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में पहुंच गए हैं। बेटे की शादी में मां ने लगवाई पूरे परिवार के नाम की मेहंदी वहीं, अपने बेटे अनंत अंबानी की शादी में नीता अंबानी ने एक बार फिर से सदियों पुरानी भारतीय शादी की परंपरा को निभाया है। अनंत-राधिका की शादी के लिए मां नीता अंबानी ने अपने हाथों में खास डिजाइन की मेहंदी लगवाई है। उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों का नाम अपने हाथों पर मेहंदी से लिखवाया है। अनंत और राधिका का लिखा है नाम जारी तस्वीर में नीता अंबानी अपनी हथेलियों पर राधा-कृष्ण की एक सुंदर तस्वीर बनवाई हैं। उनके हाथ के पीछे नए जोड़े अनंत और राधिका के साथ-साथ अंबानी परिवार के सदस्यों का नाम नजर आ रहा है।

बिग कैट के संरक्षण पर दुनिया अब मिलकर करेगी काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग कैट यानी शेर, बाघ और चीता जैसे वन्यजीवों के संरक्षण की मुहिम को तेज करने के लिए इंटरनेशनल बैग कैट एलायंस ने काम

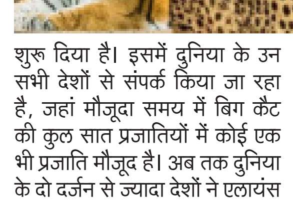

शुरू दिया है। इसमें दुनिया के उन सभी देशों से संपर्क किया जा रहा है, जहां मौजूदा समय में बिग कैट की कुल सात प्रजातियों में कोई एक भी प्रजाति मौजूद है। अब तक दुनिया के दो दर्जन से ज्यादा देशों ने एलायंस के साथ मिलकर काम करने को लेकर अपनी सहमति दे भी है। वहीं, बाकी देशों से भी जल्द से जल्द एलायंस से जुड़ने और उसका सदस्य बनने को लेकर पहल की गई है। खास बात यह है कि पूरी दुनिया में सिर्फ भारत की एक ऐसा देश है जहां बिग कैट प्रजाति के सात वन्यजीवों में से पांच पाए जाते है। इनमें शेर, बाघ, चीता, तेंदुआ और हिम तेंदुआ शामिल है। दुनिया के बाकी देशों में बिग कैट के एक या दो सदस्य ही पाए जाते हैं। इस एलायंस के गठन की पहल भारत ने ही की थी, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रोजेक्ट टाइगर के पचास साल पूरा होने के मौके पर की थी। इसके साथ ही इस साल चुनाव में जाने से पहले सरकार ने नई दिल्ली में इसके मुख्यालय को शुरू करने की मंजूरी देते हुए इसके लिए 150 करोड़ रुपए का बजट भी आवंटित किया था। इस बीच एलायंस के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय ने काम शुरू कर दिया है। साथ ही दुनिया भर में बिग कैट के संरक्षण को लेकर चल रहे अच्छे कामों का ब्योरा जुटाना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इनके संरक्षण से जुड़े अच्छे कामों को जल्द ही दुनिया के दूसरे देशों के साथ साझा किया जाएगा। एलायंस ने बिग कैट से जुड़ी जानकारी जुटाने, उनसे जोड़ने, क्षमता सृजन, नेटवर्किंग, सहयोग, वित्तीय के साथ ही संसाधन, अनुसंधान, तकनीक, शिक्षा और जागरूकता आदि क्षेत्रों में मदद देने की तैयारी कर रही है।

चमत्कार हुआ एमएलसी की नौ सीटें जीतने पर बोले सीएम शिंदे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में नौ सीटों पर भाजपा नेतृत्व वाले महायुति ने जीत दर्ज की। शुक्रवार को महाराष्ट्र में एमएलसी की 11 सीटों

पर मतदान हुआ। दो सीटों पर कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन ने जीत दर्ज की है। शिवसेना नेता और महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमें विश्वास था कि हमारे सभी नौ उम्मीदवार जीतेंगे। चमत्कार हुआ है...न केवल महायुति विधायकों ने हमें वोट दिया बल्कि अन्य दलों के लोगों ने भी हमारे विकास कार्यों के आधार पर हमें समर्थन दिया विधानसभा में सीएम शिंदे ने कहा कि आगे-आगे देखिए क्या होता है। विपक्ष के विकेट इसी तरह गिरते रहेंगे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीत का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह विधानसभा चुनाव में भी जारी रहेगा। हमारे सभी नौ उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। हमें न सिर्फ हमारे वोट मिले बल्कि दूसरे दलों के विधायकों ने भी हम पर भरोसा जताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने विधान परिषद चुनाव की रणनीति के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ तीन बैठक की। इसमें अपने-अपने विधायकों को कैसे मतदान करना है इस पर चर्चा हुई। इस पर भी बात हुई कि एक-दूसरे के विधायकों को अपनी ओर खींचने की कोशिश नहीं करेंगे। इसी रणनीति की वजह से सभी नौ प्रत्याशियों को जीत मिली है। अजित का कहना है कि इसी रणनीति से विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेंगे।

वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में ईडी का बड़ा एक्शन कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को हिरासत में लिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक के पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र को शुक्रवार को हिरासत में लिया। महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लांड्रिंग जांच के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है इस घोटाले के सिलसिले में अपने खिलाफ लगे आरोपों के बाद नागेन्द्र ने छह जून को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। ईडी ने पिछले दो दिनों में कई स्थानों पर तलाशी ली है, जिनमें नागेंद्र और कांग्रेस विधायक बसनगौड़ा दद्दल, जो निगम के अध्यक्ष हैं, के परिसर भी शामिल हैं। निगम से जुड़े अवैध फंड ट्रांसफर के मामले का पता तब चला, जब लेखा अधीक्षक चंद्रशेखरन ने 26 मई को आत्महत्या कर ली। चंद्रशेखरन ने सुसाइड नोट में दावा किया कि निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ रुपए अनाधिकृत रूप से स्थानांतरित कर दिए गए। चंद्रशेखरन ने नोट में निगम के अब निलंबित प्रबंध निदेशक जेजी पद्मनाभ, लेखा अधिकारी परशुराम जी. दुरुगनवर और यूनियन बैंक आफ इंडिया की मुख्य प्रबंधक सुचिस्मिता रावल का नाम लिया है। चंद्रशेखरन ने नोट में लिखा कि मंत्री ने धन हस्तांतरित करने के लिए मौखिक आदेश दिए थे।

जलवायु परिवर्तन पर ओम बिरला ने दुनिया को चेताया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों का इस्तेमाल मनमाने व्यापार प्रतिबंधों को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधन होने के बावजूद भारत पर्यावरण को बचाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रहा है रूस में 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने आगाह किया कि पर्यावरण संबंधी कार्रवाइयों के रूप में उचित ठहराए जाने वाले एकतरफा उपायों से व्यापार प्रभावित हो रहा है। साथ ही विश्व व्यापार संगठन के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि भारत सीमित संसाधनों के बावजूद पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाता रहा है जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के वादे के अनुसार, भारत ने उत्सर्जन तीव्रता को कम करने, गैर-जीवाश्म ईंधन बिजली क्षमता बढ़ाने जैसे लक्ष्यों को पार कर लिया है। जलवायु संबंधी मुद्दों को यूएनएफसीसीसी ढांचे के भीतर हल किया जाना चाहिए। वैश्विक निकायों में सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक निकायों में सुधार आवश्यक है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

क्या कार्दशियन में देखने को मिलेगी अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी किम कार्दशियन ने किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अंबानी परिवार की नई बहू राधिका मर्चेंट दुल्हन के लुक में बेहद खूबसूरत नजर आईं। उनका अंदाज किसी अप्सरा से कम नहीं था। अबु जानी और संदीप खोसला के गुजराती स्टाइल में तैयार किए गए घाघरे में राधिका ने रॉयल एंट्री ली। उनका वेडिंग आउटफिट जितना चर्चा में रहा, उतनी ही खूबसूरत वह अपने विदाई वाले आउटफिट में भी नजर आईं। राधिका मर्चेंट अब ऑफिशियली मिसेज अनंत अंबानी बन चुकी हैं। उनकी शादी और शादी से जुड़े हर फंक्शन ने खूब चर्चा बटोरी । दुल्हन के रूप में राधिका किसी अप्सरा से कम नहीं लगीं। वहीं उनका विदाई लुक भी बेहद खास है। प्यारी सी दिखने वाली राधिका मर्चेंट की खूबसूरत विदाई लुक वाली तस्वीरें आ चुकी हैं । बेहद सिंपल और क्वीन स्टाइल में राधिका वेडिंग ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने अपने शादी के लुक से नया ट्रेंड सेट किया है। वहीं, अब उनकी विदाई का लुक भी सामने आ चुका है। रिया कपूर ने राधिका मर्चेंट की विदाई की तस्वीरों की सीरीज को शेयर किया है, जिसे देखने के बाद फैंस उनकी खूबसूरती और स्वीट स्माइल पर दिल हार बैठे हैं। ' में राधिका ने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया हुआ रेड-गोल्डन कलर का आउटफिट पहना था। ये आउटफिट असली सोने का बना था। रिया कपूर ने राधिका के लुक को

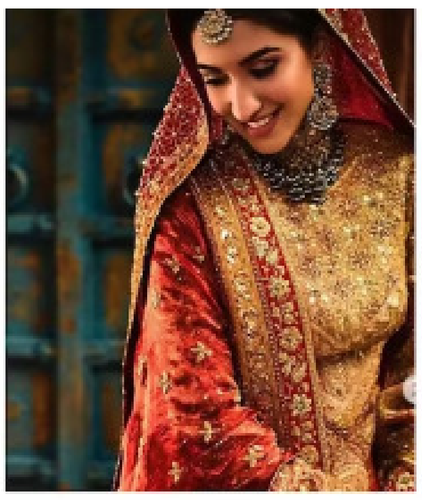

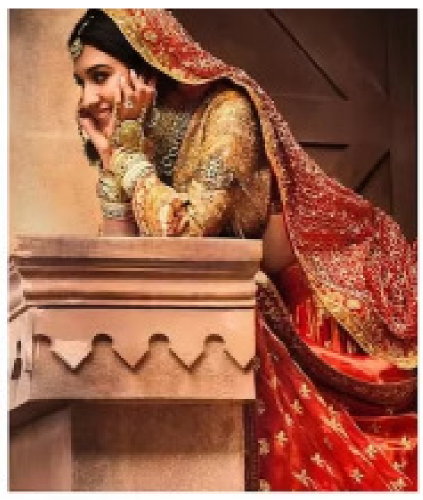

शेयर करने के साथ ही उनके आउटफिट से जुड़ी डिटेल्स शेयर की हैं। इसके डिजाइन का आईडिया पारंपरिक आभो (कुर्ता) और कच्छ, गुजरात के ट्रेडिशन से लिया गया था। इस खूबसूरत लहंगे के साथ राधिका ने बनारसी ब्रोकोड का दुपट्टा पेयर किया था। इसके साथ उन्होंने रेड और गोल्डन कलर की वेल (सर या चेहरे को ढकने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला कपड़ा) को कैरी किया था। राधिका ने अपने विदाई आउटफिट को परफेक्ट मैच देने के लिए खास तरह की ज्वेलरी भी पहनी। उन्होंने बालों को गजरे से सजाया था। आभूषणों में उन्होंने गले में हैवी चोकर नेकलेस, मांगटीका, बड़ी-बड़ी इय्ररिंग्स और भारी भरकम चूडियां पहनीं। इन सबके साथ उनकी खूबसूरत सी स्माइल उनके लुक को और खास बना रही थी। फाइनली मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी हो चुकी है। जियो सेंटर में एक दूसरे को वरमाला पहनाकर और सात फेरों के साथ ये कपल हमेशा के लिए एक दूजे के हो गए। कैमरे में कई हॉलीवुड और बॉलीवुड सेलेब्स की तस्वीरें और वीडियो नाचते गाते कैद हुई। अभी शादी का फंक्शन 14 जुलाई तक चलने वाला है जिसमें आशीर्वाद समारोह और दो रिसेप्शन शामिल हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट पवित्र बंधन में बंध चुके हैं। इस शाही विवाह में शामिल होने के लिए विदेश से भी कई मेहमान मुंबई आए हैं। इसमें किम कार्दशियन और ख्लो कार्दशियन भी शामिल हैं। हाल ही में मुंबई में आटो राइड एंजॉय करते हुए उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके अलावा भी अपने सोशल मीडिया पर कई अपडेट दे रही हैं। अब इस शाही शादी से जुड़ी एक और खबर सामने आ रही है। इन दिनों किम कार्दशियन भी अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी अटेंड करने के लिए मुंबई में हैं। किम के साथ उनकी बहन ख्लो कार्दशियन और उनके पॉपुलर शो 'द कार्दशियन' को शूट करने वाली टीम भी वहां मौजूद है। किम फंक्शन से अपने गेटअप को लेकर छोटी-छोटी झलकियां लगातार अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर कर रही हैं। इस बीच उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर खुलासा किया कि वह और ख्लो भारत में शूट भी कर रहे हैं। इससे ऐसा लग रहा है कि कार्दशियन्स में अंबानी की शादी की झलकियां दिखाई जाएंगी। शादी के लिए अपना और ख्लो का लुक शेयर करते हुए किम ने लिखा, अपने वीडियो का स्क्रीनग्रैब लेना पड़ा क्योंकि हम एक बहुत खुश हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि हमें एक साथ दुनिया घूमने का मौका मिला! और हां, हम द कार्दशियन भी शूट कर रहे हैं। तो आप लोग किम और ख्लो टेक इंडिया को देख पाएंगे। रियलिटी शो स्टार और क्लोदिंग ब्रांड एख्श्ए की मालिक किम शुक्रवार सुबह भारत पहुंची और ताज महल होटल में उनका बहुत धूमधाम से स्वागत किया गया। मुंबई के ताज महल होटल के स्टाफ ने किम का माला पहनाकर और माथे पर टीका लगाकर स्वागत किया। के अनुसार शादी के लिए अपना और ख्लो का लुक शेयर करते हुए किम ने लिखा, अपने वीडियो का स्क्रीनग्रैब लेना पड़ा क्योंकि हम एक बहुत खुश हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि हमें एक साथ दुनिया घूमने का मौका मिला! और हां, हम द कार्दशियन भी शूट कर रहे हैं। तो आप लोग किम और ख्लो टेक इंडिया को देख पाएंगे। रियलिटी शो स्टार और क्लोदिंग ब्रांड एख्श्ए की मालिक किम शुक्रवार सुबह भारत पहुंची और ताज महल होटल में उनका बहुत धूमधाम से स्वागत किया गया। मुंबई के ताज महल होटल के स्टाफ ने किम का माला पहनाकर और माथे पर टीका लगाकर स्वागत किया।

शादी में जॉन सीना ने पंजाबी गाने पर किया बिंदास डांस, ढोल की धुन पर जमकर झूमे रेसलर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबाना आज बिजनेसमैन वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट के साथ अपनी जिंदगी का नया फेज शुरू करने जा रहे हैं। कपल सात साल की डेटिंग के बाद अपने रिश्ते को नये पड़ाव पर ले जाने के लिए एकदम तैयार है। फरवरी में ही राधिका मर्चेंट और अनंत अंबानी की शादी के फंक्शन शुरू हो गये थे। जामनगर में ग्रैंड प्री-वेडिंग फंक्शन के बाद मई के आखिर में यूरोप में शानदार क्रूज पार्टी हुई। इसके बाद 5 जुलाई से कपल की शादी की रस्में शुरू हो गई थीं और आखिरकार आज वो घड़ी आ गई, जब दोनों एक-दूसरे के साथ सात फेरे लेने जा रहे हैं। अनंत-राधिका की शादी में शामिल जॉन सीना अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी जियो वर्ल्ड सेंटर में हो रही है। इस शादी में देश ही नहीं, विदेश से भी मेहमान आये हैं। किम कार्दशियन, ख्लो कार्दशियन और रेमा जैसे इंटरनेशनल स्टार्स शादी में शामिल हुए है रेसलर और एक्टर जॉन सीना भी शामिल आये हैं। उनका एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर आग लगा रहा है।अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट आज सात फेरे लेने जा रहे हैं। धूम-धड़ाका के साथ अनंत अंबानी अपनी बारात लेकर आये। इस बारात में विदेशी मेहमान भी शामिल हुए जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा जॉन सीना की है। जॉन सीना शादी में न केवल देसी अवतार में पहुंचे बल्कि उन्होंने पंजाबी गाने पर डांस करके सारी महफिल भी लूट ली। उनका वीडियो वायरल हो रहा है। जॉन सीना ने अनंत अंबानी की शादी में बाराती बनकर जमकर डांस किया है। उनका क्लिप सामने आया है, जिसमें वह भांगड़े और 'ता रा रा' गाने पर जमकर डांस कर रहे हैं। वीडियो में दूल्हेराजा अनंत अंबानी, नीता अंबानी और बाकी बॉलीवुड सेलेब्स भी जमकर नाच रहे हैं। उनका क्रेजी डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जॉन सीना, अनंत और राधिका की शादी में एकदम देसी अवतार में नजर आये। अभिनेता-रेसलर ने शादी में आसमानी कलर की शेरवानी पहनी थी। मुकेश अंबानी ने शादी में उनका जोरदार स्वागत किया था। वह चारों ओर छाये हुए हैं।

शादी में संजय दत्त ने किया दूल्हे राजा संग डांस, रजनीकांत-रणवीर सिंह ने भी जमाई महफिल

साल 2024 की शुरुआत से ही अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी लाइमलाइट का हिस्सा बनी हुई है। सबसे पहले दो प्री वेडिंग फंक्शन, फिर बाकी के फंक्शन होने के बाद आज 12 जुलाई को ये कपल शादी के बंधन में बंधने जा रहा है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट आज शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दूल्हे राजा एंटीलिया से बारात लेकर जियो वर्ल्ड सेंटर पहुंच चुके हैं। उनकी शादी के कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अब कई सेलेब्स के डांस करते हुए वीडियो भी सामने आए हैं जिन्होंने इस ग्रैंड फंक्शन में अपने डांस से रंग जमा दिया। जियो वर्ल्ड सेंटर में मेहमानों का आना शुरू हो गया है। इस ग्रैंड वेडिंग की कई फोटोज और वीडियो सामने आ चुकी हैं। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक के कई सेलेब्स शादी का हिस्सा बन रहे हैं। अब अनंत की बारात के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें दूल्हे राजा और बी-टाउन के स्टार्स डांस करते नजर आ रहे हैं। अनंत अंबानी ने संजय दत्त, जाह्नवी कपूर संग मिलकर 'आजा माही आजा माही' गाने पर अपनी बारात में जमकर डांस किया। उनका यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अनंत-राधिका की शादी में रणवीर सिंह और अर्जुन कपूर ने अपने डांस से रंग जमा दिया। दोनों का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों स्टार्स 'चनन्दी कुडी' गाने पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। अभिनेता अनिल कपूर भी इस ग्रैंड वेडिंग का हिस्सा बने हैं। उनका एक वीडियो वायरल जो रहा है, जिसमें वह अपने ही गाने 'माई नेम इज लखन' पर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह के साथ 'गल्लां गूड.ियां' गाने पर भी जमकर डांस किया। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत भी अनंत-राधिका को आशीर्वाद देने मुंबई आए हैं। उन्होंने अनंत की बारात में डांस भी किया। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह 'गल्लां गूड.ियां' गाने पर दूल्हे अनंत, रणवीर सिंह और अनिल कपूर संग डांस करते दिखाई दे रहे हैं।

शादी में इस खास शख्स के साथ पहुंचीं ऐश्वर्या और आराध्या, बच्चन परिवार संग अनबन की खबरें तेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत की शुक्रवार 12 जुलाई को शादी हो गई। वह अपने बचपन की दोस्त राधिका मर्चेंट के साथ शादी के इस पवित्र बंधन में बंधे। अनंत और राधिका की शादी में दुनियाभर की मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। यहां बॉलीवुड के भी कई सितारे अपने बेस्ट ड्रेस्ड लुक में पहुंचे। विश्व सुंदरी ऐश्वर्या राय बच्चन जहां भी जाती हैं अपनी ड्रेसिंग सेंस और खूबसूरती को लेकर हमेशा सुखियां बटोरती हैं। एक्ट्रेस ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शिरकत की। एक तरफ जहां उनका लुक सुर्खियों में रहा वहीं ऐश्वर्या ने इस बात के लिए भी लाइमलाइट बटोरी की वह ससुराल वालों के साथ नहीं पहुंचीं। अनंत और राधिका की शादी में बच्चन परिवार ने भी एंट्री ली। अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और पूरा परिवार शाही लुक में अनंत-राधिका की शादी का हिस्सा बना। जया बच्चन की साड़ी और हार ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। लेकिन इन सबके अलावा एक बात और है, जिस पर लोगों की नजरें बनी रहीं, वह है ऐश्वर्या राय बच्चन का उनके साथ न होना। पिछले कई दिनों से ऐश्वर्या और बच्चन फैमिली के बीच सब कुछ ठीक न होने की खबरें आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा रही कि ऐश्वर्या, बच्चन फैमिली से अलग रहती हैं। इन सब अफवाहों के बीच मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय ने बेटी आराध्या के साथ शादी में शिरकत की। सुर्ख लाल और गोल्डन रंग ड्रेस में ऐश्वर्या बला की खूबसूरत लगीं। इस ड्रेस के साथ हैवी नेकलेस और मांग टीका कैरी किया था। शादी में आराध्या के लुक और ड्रेस ने भी लोगों का ध्यान खींचा। हमेशा की तरह बैंग्स वाली हेयरस्टाइल को ड्रॉप कर आराध्या ने इस बार स्टाइलिश हेयरस्टाइल कैरी किया। ब्लू कलर के सूट पर उनका ये लुक काफी फब रहा था। एंट्री लेने से पहले ऐश्वर्या, रेखा के साथ स्वीट मोमेंट शेयर करती नजर आईं। फैंस ने ऐश्वर्या और आराध्या के लुक की तारीफ की है। इसके साथ ही कुछ ने बच्चन फैमिली के साथ उनके रिश्ते पर भी कमेंट किया। एक ने लिखा, 'कम से कम अभिषेक को तो साथ आना चाहिए था। लेकिन नहीं उनको तो अपनी मां और बहन के ऑर्डर फॉलो करने हैं। ऐश इससे बेहतर डिजर्व करती हैं।

पंचायत' और 'मिर्जापुर' में खून खराबे के बाद अब सीए टॉपर त्रिभुवन मिश्रा' की जिंदगी के खुलेंगे राज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इन दिनों वेब सीरीज का लोगों में काफी क्रेज है। 'पंचायत' और 'मिर्जापुर' जैसी सीरीज के लिए लोगों में दीवानगी को देखते हुए मेकर्स नए-नए कॉन्सेप्ट के साथ दर्शकों के बीच आ रहे हैं, जो फैंस को पसंद भी आ रहा है अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'मिर्जापुर-3' कुछ दिनों पहले ही स्ट्रीम हुई हैं, जिसमें गुड्डू पंडित से लेकर कालीन भैया फिर से एक बार मार-काट करते हुए दिखाई दिए अब इस क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज के क्रिएटर (राइटर) एक ब्रांड न्यू कहानी लेकर आ रहे हैं, जो दर्शकों को थोड़ा गुदगुदाएगी, लेकिन साथ ही एक टॉपर को मजबूरी में क्या-क्या काम करना पड़ता है, उसकी कहानी भी उजागर करेगी। उनकी इस वेब सीरीज का टाइटल 'त्रिभुवन मिश्रा ऍं टॉपर है, जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ है।आजकल मनोरंजन लोगों के मोबाइल पर ही उपलब्ध है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक के बाद एक वेब सीरीज रिलीज हो रही है जो लोगों में उत्सुकता बढ़ा रही है। अब हाल ही में मिर्जापुर के क्रिएटर ने उनकी आगामी वेब सीरीज त्रिभुवन मिश्रा ऍं टॉपर का ट्रेलर रिलीज किया जो एक कॉमन मैन जरूरतों के लिए क्या-क्या करता है ये दर्शाता है। चार्टेड अकाउंटिंग में टॉप करने के बाद भी अपने जीवन में किसी तरह से एक कॉमन मैन को संघर्ष करना पड़ता है, उस कहानी को दर्शाता है त्रिभुवन मिश्रा, इस किरदार को सीरीज में मानव कौल ने निभाया है। इस ट्रेलर की शुरुआत होती है सीए टॉपर से, जो एक महिला को सर्विसेस (प्राइवेट) देता है। दुनिया के सामने त्रिभुवन काफी भोला है, जो ऑफिस में एकदम आईडियल कर्मचारी है, लेकिन अपनी मजबूरी को देखते हुए वह गलत राह पर निकल जाता है, जहां वो महिलाओं की जरूरतों को पूरा करता है। जब डॉन को ये बात पता चलती है कि उसकी पतने का अफेयर किसी सीए टॉपर के साथ है, तो वह उसे मारने के लिए अपने गैंग के साथ निकल जाता है और एक कॉमन मैन की जिंदगी में इसके बाद क्या-क्या तूफान आता है, यही कहानी इस छोटे से ट्रेलर में दिखाई गयी है। त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर' वेब सीरीज में आपको कॉमेडी से लेकर फिर वैसी ही गूंज सुनाई देगी, जिससे आपको मिर्जापुर की यादें ताजा हो जाएंगी। फैंस को सबसे बड़ी ट्रीट 'पंचायत' के प्रहलाद चा के किरदार के साथ मिलने वाली है, जो इस वेब सीरीज में पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा 'मिर्जापुर' में जौनपुर के डॉन का किरदार निभा चुके रति शंकर शुक्ला एक बार फिर से इसी तरह के किरदार में दिखाई देंगे। सीए टॉपर त्रिभुवन मिश्रा की कहानी 18 जुलाई को लोगों के सामने आएगी। ये वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

सम्पादकीय

जनता का लोभ भावनात्मक सुरक्षा

हाथरस मामले ने एक बार फिर कथित बाबाओं को चर्चा में ला दिया है। ऐसे कथित गुरुओं की जीवन-शैली पारंपरिक संतों जैसी नहीं है और न ही उनके उद् बोधनों से कोई विशेष पांडित्य प्रकट होता है। फिर भी आम लोग भावनात्मक सुरक्षा के लिए ऐसे बाबाओं की शरण में पहुंचते हैं।उत्तर प्रदेश के हाथरस में गत दिनों एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 भक्तों की कुचलकर मौत हो गई। अधिकांश मृतक दलित थे। आम तौर पर किसी भी भाजपा शासित प्रदेश में दलित उत्पीड़न, हत्या, दुर्घटना का मामला राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा मुद्दा बन जाता है। परंतु हाथरस मामले में ऐसा नहीं हुआ। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में अव्यवस्था-लापरवाही बरतने के केंद्र में 'भोले बाबा' उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ सूरजपाल सिंह का सत्संग प्रकरण है। बाबा स्वयं भी दलित समाज से आते हैं। चूंकि यह घटना 'दलित बनाम सवर्ण' या 'जातिगत तनाव' संबंधी नैरेटिव के अनुकूल नहीं है, इसलिए इस पर मौन की दहाड़ है। परंतु असली विचारयोग्य विषय कुछ और है। हाथरस मामले ने एक बार फिर ऐसे बाबाओं को चर्चा में ला दिया है। आखिर नारायण साकार हरि जैसे कथित गुरुओं से लाखों-करोड़ की संख्या में लोग क्यों जुड़ जाते हैं? इनकी जीवन-शैली, वेशभूषा और आचार-व्यवहार भारत के पारंपरिक संतों जैसी नहीं है और उनके उद्बोधनों से कोई विशेष पांडित्य भी प्रकट नहीं होता है। फिर क्या कारण है कि इन 'साधु-संतों' के लिए उनके अनुयायी मरने-मारने को भी तैयार रहते हैं? कई राजनीतिक दल भी उनके अनैतिक व गैर-कानूनी कार्यों में या तो प्रत्यक्ष-परोक्ष सहयोग देते हैं या फिर चुप्पी साधे रखते हैं। यह उपक्रम न तो एक समाज तक सीमित है और न ही एक देश तक। देश के कई क्षेत्रों में आयोजित चंगाई सभाओं में पादरी दृष्टिबाधित-दिव्यांग और रोगी व्यक्ति को अपने 'करिश्मे' से ठीक करने का दावा करते हैं। ईसाई बहुल अमेरिका-ब्रिटेन जैसे विकसित देशों के साथ इस्लामी दुनिया में भी पीर-फकीर का तिलिस्म फैला हुआ है, जिससे वहां का सत्ता-अधिष्ठान भी प्रभावित है। पाकिस्तान में पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को प्रधानमंत्री बनाने में उनकी तीसरी बेगम पीर बुशरा मेनका की 'रूहानी ताकत' की खूब चर्चा रही है। लेकिन भारत में बाबाओं की सफलता की वजह अलग है। इसका एक बड़ा कारण शासकीय विफलता है। कोई भी व्यवस्था जितनी अक्षम और भ्रष्ट होगी, समाज में उतनी ही अनिश्चितता और असंतोष बढ़ेगा। यह स्थिति ऐसे बाबाओं के लिए सबसे अनुकूल होती है। सरकार चाहे किसी की हो, उसके अधीनस्थ तंत्र अक्सर संवेदनहीन होता है। देश का बहुत बड़ा हिस्सा दशकों से अपनी जरूरतों (राशन-चिकित्सा-शिक्षा सहित) की पूर्ति के लिए सरकारी उपक्रमों पर निर्भर है। परंतु जन-सरोकार के लिए गठित सार्वजनिक निगम, थाना, बैंक, अस्पताल, स्कूल इत्यादि घूसखोरी, धांधली और उत्पीड़न के पर्याय बन चुके हैं।?ऐसे में जनता स्वयं को उपेक्षित व अपमानित महसूस करती है। बीते कुछ वर्षों में नकद धन हस्तांतरण से स्थिति में थोड़ा बदलाव आया है, और लाभार्थियों को बिना सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाए सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। परंतु शेष व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं आया है। वर्षों पुरानी शासकीय प्रणाली और उसके द्वारा स्थापित व्यवस्था की अक्षमता-विफलता का लाभ स्वयंभू 'चमत्कारी' बाबाओं को मिलता है। देश भर में ऐसे बाबाओं के कई सौ एकड़ में फैले शिविरों में निशुल्क या सस्ती चिकित्सा प्रणाली, दवा केंद्र, शिक्षा, खेल-उद्यान आदि उपलब्ध हैं, जिन्हें पाकर उनके करोड़ों अनुयायी स्वयं को सम्मानित अनुभव करते हैं। यह लोगों को स्वयंभू संतों से जोड़ने में बड़ा कारक है। आधुनिकता और निजी स्वतंत्रता के नाम पर शासकीय व्यवस्था नशा-धूम्रपान और लिव-इन संबंधों (समलैंगिकता सहित) को सशर्त स्वीकृति देती है। परंतु समाज का एक बड़ा वर्ग इन्हें स्वीकार नहीं कर पाता है। भले ही बाबाओं का निजी जीवन कैसा हो, परंतु इन विषयों पर वे व्यापक जनभावना को जनसमूह से साझा करते हैं। परिणामस्वरूप बाबाओं की लोकप्रियता बनी रहती है। मानवीय जीवन अनिश्चितताओं से भरा है और कई मामलों में मनुष्य का नियंत्रण नहीं रहता। उपभोक्तावादी दौर में अपनी व्यक्तिगत सामर्थ्य से ऊपर धन-पद अर्जित करने और सुख-सुविधा पाने की लालसा बढ़ गई है। वह लालसा पूरी नहीं होने पर भी कई लोग इन बाबाओं की शरण में चले जाते हैं, जो भले ही उनकी इच्छा पूरी नहीं कर पाते हों, परंतु अपने आभामंडल से उन्हें मानसिक संतुष्टि जरूर प्रदान करते हैं। यही नहीं, बढ़ते शहरीकरण के कारण वे बिरादरियां और अन्य सामाजिक संरचनाएं भी तेजी से टूट रही हैं, जो कुछ दशक पहले तक व्यक्ति को पहचान व सुरक्षा का भाव देती रही हैं। वर्तमान समय में उसी भावनात्मक सुरक्षा का अभाव है, जिसकी पूर्ति करने में स्वयंभू बाबा और उनकी मंडली बड़ी भूमिका निभाती हैं। आधुनिक शासकीय व्यवस्था अक्सर मानवीय आवश्यकताओं–रोटी, कपड़ा और मकान से बाहर नहीं जाती। ठीक है कि प्रत्येक मानव की यह मूल आवश्यकता है। परंतु उनकी एक और जरूरत भी होती है, जिसे हम अध्यात्म, भावनात्मक या फिर 'अपनेपन की भावना' के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। इसके प्रति राजकीय उदासीनता भी लोगों को स्वयंभू 'साधु-संतों' से जोड़ रही है। भारतीय जीवन-पद्धति और उसकी शैली के केंद्र में आध्यात्मिकता है, जो किसी मजहबी दर्शन जैसी संकीर्ण नहीं है। वैदिक सनातन संस्कृति प्रदत्त इस चेतना को गत कई सदियों से अनेकों महानुभावों (सिख परंपरा, महर्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद, गांधीजी, विनोबा भावे सहित) ने आगे बढ़ाया है। परंतु छद्म-धर्मनिरपेक्षता के नाम पर स्वतंत्र भारत में जैसी विकृत व्यवस्था स्थापित की गई, उसमें सत्ता-अधिष्ठान द्वारा आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करना 'सांप्रदायिक' चश्मे से देखा जाने लगा।

शिकवों से मुरझाए जीवन में लौटी नई बहार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। लंबे अरसा बाद खुशियों के रंग खिले और गिले-शिकवे भूल फिर जिंदगी मुस्कुराई। एक-दूजे का

हाथ थामा तो आंखें भर आईं। आंसू कुछ पश्चाताप के थे तो कुछ पुनर्मिलन की खुशियों के। सात जन्मों के बंधन को संवारते, समेटते और अब फिर न कभी अलग होने की कसमें खाते वे लौट गए अपनी उन राहों पर जहां परिवार की खुशियां उनके लौटने का पूरी शिद्दत से इंतजार कर रही थीं। रिश्तों के ये अनोखे रंग नजर आए शनिवार को जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में और इसके प्रेरक बने पारिवारिक न्यायालय सोनभद्र के प्रधान न्यायाधीश राजेंद्र सिंह। अपनी राहें अलग करने अदालत आईं 13 जोड़ियां फिर से जिंदगी के सफर में हमसफर बन गईं। वैवाहिक वादों के कुल 13 मुकदमे यहां सुलह-समझौते आधार पर निस्तारित किए गए। गलतफहमियां, कुछ शिकवे और कुछ परेशानियां। विवादों की शुरुआत हुई तो फासले बढ़ते गए और फिर दांपत्य जीवन की मिठास कड़वाहट में बदलती चली गई। मामला अदालत में पहुंच गया। ऐसे जोड़ों के लिए शनिवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरणए नई दिल्ली के निर्देशन में यहां जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत वरदान बन गया। राजेन्द्र सिंहए चतुर्थए प्रधान न्यायाधीशए परिवार न्यायालयए सोनभद्र के प्रयासों से ऐसे 13 मुकदमे सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित किए गए। किसी सूरत पर साथ रहने को राजी नहीं हो रहे इन जोड़ों को समझाना आसान नहीं था लेकिन अदालत के प्रयास रंग लाए। दोनों पक्षों को बारी-बारी सुना गया। एक-दूसरे से जुड़ी उनकी शिकायतें जानी गईं और फिर समाधान का रास्ता तलाशा गया। आखिरकार दोनों पक्षों को अपनी भूल समझ आई और वे आपसी शिकवे भूल फिर हो गए एक-दूजे के। इन जोड़ियों का हुआ मिलन 10 जोड़ी पारिवारिक पक्षकार ;1 मधु बनाम पंकज ;2 रबीना बेगम बनाम असरफ शाह ;3 सुनीता देवी बनाम विनोद कुमार श्रीवास्तव ;4 रूबीना बनाम अशरफ ;5 सुखन बनाम जगदीश ;6 प्रतिमा बरनवाल बनाम रतन्श बरनवाल ;7 बृजेश विश्वकर्मा बनाम सरोज ;8 पंकज बनाम मधु ;9 उषा देवी बनाम रामपालए ;10 उषा देवी बनाम बाबूलालए बरसों से अलग.अलग रह रहे थेए किन्तु सुलह समझौते का प्रयास करने पर अपने.अपने पूर्व के गीले सिकवे को भूलकर एक साथ वैवाहिक जीवन व्यतीत करने के लिए तैयार हुए और एक दूसरे को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सुखमय वैवाहिक जीवन के पथ पर अग्रसर हुए। राजेन्द्र सिंहए प्रधान न्यायाधीशए परिवार न्यायालय सोनभद्र द्वारा सभी पारिवारिक जोड़ों को सुखमय भविष्य हेतु शुभकामना भी दिया गया।

समुद्र के भीतर वे सौ दिनष्ठ पनडुब्बी से अलग अनुभव; सेहत पर भी असर

अमेरिकी सेना के सेवानिवृत्त गोताखोर जो दितूरी, जिन्हें डॉ. डीप सी भी कहा जाता है, ने एक प्रयोग के तहत समुद्र की गहराइयों में कांच के एक चैंबर में सौ दिन बिताने का रिकॉर्ड तो बनाया, लेकिन उस दौरान उन्हें महसूस हुआ कि समुद्र की अपनी एक अलग जादुई दुनिया होती है, जहां के कायदे हमारी जमीनी दुनिया से अलग होते हैं।जब हम समुद्र में

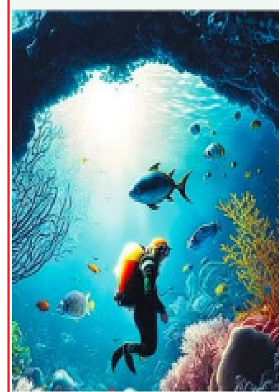

दस से तीस मीटर की गहराई पर होते हैं, तब हल्का उत्साह और एक सकारात्मकता महसूस होती है। लेकिन तीस मीटर या उससे नीचे जाने पर हल्का नशा भी महसूस हो सकता है, जिसे 'नार्कोसिस' नाम दिया गया है। ऐसा क्यों होता है, इसका जवाब तो फिलहाल वैज्ञानिकों के पास भी नहीं है। बुरे सपने कभी न कभी सबको आते हैं। लेकिन आपको मालूम है कि दुनिया भर में लोगों द्वारा देखे गए बुरे सपनों की सूची में सबसे ज्यादा बार देखा गया सपना कौन-सा है वह सपना है खुद को कांच के ऐसे बॉक्स में बंद देखना, जिसके बाहर पानी ही पानी हो। जो दितूरी जैसा कोई विरला ही होगा, जिसने इस बुरे सपने को हकीकत में बदल कर पाया कि यह उतना बुरा भी नहीं था। दितूरी अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त गोताखोर हैं और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हैं। उन्हें डॉ. डीप सी भी कहा जाता है। वह पहले भी कुछ दिनों के लिए कांच के एक खास केबिन में समुद्र के नीचे रहे हैं। लेकिन इस बार 55 वर्ग मीटर के कांच के घर में फ्लोरिडा के पास के समुद्र में सौ दिन रहकर उन्होंने वाकई रिकॉर्ड कायम किया है। दितूरी बताते हैं कि समुद्र के भीतर वे सौ दिन वाकई जादुई थे। पनडुब्बी से अलग अनुभव जब पनडुब्बी पानी के भीतर होती है, तो वह पूरी तरह से बंद होती है और उसमें समुद्र की सतह वाले दबाव को ही बनाए रखा जाता है। समुद्र की गहराइयों में भी हवा के दबाव में खास फर्क मालूम नहीं पड़ता। लेकिन दितूरी सौ दिन तक समुद्र के भीतर जिस कांच के घर में रहे, उसमें पानी और रहने की जगह के बीच कोई एयरलॉक नहीं था, जैसा पनडुब्बी में होता है। दितूरी का कांच का घर ऐसे ही था, मानो पानी से भरे बड़े बर्तन में गिलास उलटा करके रख दिया गया हो। ऐसा करने परचारों ओर पानी होने के बावजूद गिलास में हवा बनी रहती है। ऐसे ही दितूरी के कांच के घर में हवा बनी रही, हालांकि इस घर में समुद्र के रास्ते नीचे से प्रवेश करने की व्यवस्था थी। इसे यों समझें कि कांच के घर के अंदर की हवा का दाब समुद्र के दबाव से कम था, फिर भी, गहराई में कांच के घर के अंदर हवा का दबाव जमीन पर रहने वाले दबाव से करीब दोगुना ज्यादा तो था ही। समुद्र के अंदर की दुनिया पेशेवर गोताखोर जानते हैं कि समुद्र के अंदर की दुनिया आसान नहीं होती।गहराइयों में समुद्र के पानी का हाइपरबेरिक दबाव मनुष्य के लिए खतरा भी बन सकता है। विकास की कई अवस्थाओं को पार कर इन्सान का शरीर जमीन पर रहने का अभ्यस्त हुआ है। जमीन पर सांस लेने के लिए हम दो गैसों यानी ऑक्सीजन और कार्बन डाई ऑक्साइड का इस्तेमाल करते हैं, जो हमारे फेफड़ों व रक्त के बीच आसानी से आर-पार होती रहती हैं। लेकिन समुद्र के नीचे जब दबाव बढ़ता है, तब हवा में मौजूद नाइट्रोजन हमारे फेफड़ों की नाजुक दीवारों को पार कर रक्त में घुलने लगती है। इसका गंभीर असर हो सकता है। जब हम समुद्र में दस से तीस मीटर की गहराई पर होते हैं, तब हल्का उत्साह और सकारात्मकता महसूस होती है। परतीस मीटर या उससे नीचे जाने पर हल्का नशा भी महसूस हो सकता है, जिसे 'नार्कोसिस' नाम दिया गया है। ऐसा क्यों होता है, इसका जवाब तो फिलहाल वैज्ञानिकों के पास भी नहीं है। पर मेरे विचार से यह हमारे मस्तिष्क में न्यूरॉन्स और न्यूरोट्रांसमीटर के संकेत देने के तरीके में बदलाव के कारण हो सकता है। हालांकि दितूरी को इससे कोई खतरा नहीं था, क्योंकि वह केवल दस मीटर की गहराई पर थे। जादुई अनुभव गहरे समुद्र में कांच के घर में अकेले दितूरी। चारों ओर नीले पानी का साम्राज्य। न कोई मोबाइल फोन, न टेलीविजन। चूंकि पानी पूरे कांच के घर को काट रहा था, इसलिए उन्हें ऐसा महसूस होता था कि हर चीज उनकी ओर ही बढ़ रही है। समुद्र के भीतर का अजीबोगरीब जीवन। वनस्पतियां, छोटी और बड़ी मछलियां।

सरकारी स्कूल का शिक्षक महानिकम्मा

आइए रूबरू कराएं आपको सरकारी स्कूल से जुड़े कुछ मार्मिक पहलू से।यहाँ केवल संवेदी व मानवीय पहलू पर चर्चा कर रही हूँ । नियमों व खामियों पर बातें किसी और दिन। मैडम! तुम हमारी मम्मी हो। हमको अपने घर ले चलो न।ठ मेरी कक्षा में पढ़ने वाली कुछ बच्चियों ने चिपट के मुझसे आज ऐसा कहा। हठात् ही दिल में ममत्व हिलोरें लेने लगा। लगा लिया गले से उन्हें बिना परवाह किए कि मलिन बस्तियों से आई उन बच्चियों के मैले कुचैले कपड़ों से महक आ रही है। उन्हीं कपड़ों में वे स्कूल भी आती हैं, घर भी सम्भालती हैं और कबाड़ भी बीनती हैं। यह है एक सरकारी स्कूल के शिक्षक और वहाँ पढ़ने (जाने) वाले बच्चों के बीच का संबंध।जी हां, हम उसी सरकारी स्कूल के शिक्षक की बात कर रहे हैं जिसे अन्य सभी विभाग वाले पानी पी-पीकर कोसते हैं, जिसे हर व्यक्ति अपने मापदण्ड पर तौलने को आतुर बैठा है। जिनके खुद के बच्चे प्राइवेट स्कूल में जाते हैं, जो स्वयं काम से जी चुराते और सूखी तनख्वाह के ऊपर तर मलाई हजम करने के आदी हैं; वे भी जी-भर के कोसते हैं हम सरकारी स्कूल के शिक्षकों को। जिन अभिभावकों को अपने बच्चे का स्कूली नाम, उम्र और कक्षा ठीक से पता न हो, जो स्कूल में नाम लिखवाने भर को कक्षा 8 तक का मार्कशीट पाने की दावेदारी समझते हैं, जो शिक्षकों के बार-बार घर जाकर बुलाने पर भी अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते, जो चंद रूपयों के लिए अपने नन्हे -मुनने को दुकान, कारखाने या घरों में काम पर लगा देते हैं; वो महाविद्वान अभिभावक भी सरकारी स्कूल के शिक्षकों को नसीहत देते हैं। जनाब! विषय यहां प्राइवेट स्कूल से प्रतिद्वन्द्वता का नहीं है पर आपने मलाई तो देखी होगी न। अच्छे गाढ़े दूध की गाढ़ी मलाई बिलोकर जो मक्खन निकलने के बाद छाछ निकलता है, उसे हटाकर बर्तन के अंदर जो करोवन बचा है उसे भी हटाकर उसी बर्तन में डालकर पानी, फिर छाना जाता है। अब जो शेष बचता है वह आता है हमारे सरकारी स्कूल के हिस्से में। लो टीचरों! अब तुम बनाओ घी और बनाओ लस्सी।हम फिर भी विचलित नहीं होते। बड़े जतन से अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाते हैं। डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर भले ही न बना पाएं पर अच्छा-सच्चा इंसान बनाने की कोशिश जरूर करते हैं। प्राइवेट स्कूल के बच्चे जो फीस तो देते हैं मोटी मोटी रकम की स्कूलों में पर पास होते हैं ट्यूशन के भरोसे या अपने उन्ही शिक्षित माता-पिता के भरोसे जो सरकारी स्कूल के शिक्षकों को मन भर के कामचोर बताते हैं। क्या करें हम सरकारी स्कूल के शिक्षक, हम केवल हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान ही नहीं पढ़ाते, हम तो जीते हैं उन बच्चों व उनके अभिभावकों की मजबूरियों व जिम्मेदारियों को। सुबह सवेरे उठकर ये नन्हे बच्चे अपने परिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हैं, घर के कामकाज निपटाकर, कभी सूखी रोटी तो कभी भूखे ही स्कूल चले आते हैं। ये अपने बीमार परिवार वालों के लिए नर्स हैं, छोटे भाई-बहन के लिए मां हैं, सामाजिकता निभाने को घर के जिम्मेदार हैं, घर का कर्ज चुकाने के मजदूर भी हैं। बिना पढ़े, बिना स्कूल का काम किए, बिना पाठ को याद किए ये कक्षा में अपने कंधों पर पहाड़ सा बोझ लिए बैठ जाते हैं जड़ होकर। मायूस, बेबस शिक्षक कुछ कह नहीं पाता, कुछ कर नहीं पाता। कुछ तो सरकारी नियमों से बंधा वो, कुछ बच्चों का मनोविज्ञान समझता है वो। हर बच्चा एक समान नहीं हो सकता। सबकी क्षमता, रूचि, अभिरूचि अलग होती है, बालकेन्द्रित शिक्षा होनी चाहिए; सब जानते हैं, मानते हैं। पर बच्चों को तो तय समय-सीमा में निपुण बनाना ही है। हर बड़ी परीक्षा से पहले व बाद में हमारा चिन्तनशील समाज बच्चों को समझाते नजर आता है कि नम्बरों की दौड़ अंतिम लक्ष्य नहीं है पर क्या कभी किसी ने उस बच्चे का कष्ट महसूस किया है जो बहुत ही द्रवित होकर कहता है कि ठ हमसे नहीं होती पढ़ाई, मेरा दिमाग दुखने लगता है। नहीं करनी मुझे पढ़ाई, रोज रोज बुलाने न आ जाया कीजिए । कल्पना कीजिए उस बच्चे की मनःस्थिति। आप इस कथन की भयावहता से सिहर जाएँगे। फिर भी न जाने किस मिट्टी से बना होता है सरकारी स्कूल का शिक्षक। भर लेता है वह उस नन्ही चिडि़या को अपने अंक में, धीमे-धीमे सहलाकर मजबूत करता है उसके डैनो को। न भर सका गर यह पंछी ऊँची उड़ान तो भी कर तो सकेगा अपनी हिफाजत दुनिया के नुकीले पंजे से।बहुत कुछ है जो रोज घटता है सरकारी स्कूल के शिक्षकों और उनके बच्चों के बीच, बहुत कुछ टूटता-बिखरता फिर बनकर संवरता है। फिर भी लोग कहते हैं कि क्या करता है सरकारी स्कूल का शिक्षक। कहने को तो बहुत है पर भावनाएँ जब प्रबल हों तो शब्द भी मौन हो जाते हैं।एक बार इस प्यारे से, अनोखे से रिश्ते को महसूस करके देखिए, आप भी जब कभी टूटकर बिखर रहे होंगे, आना चाहेंगे इन्हीं सरकारी स्कूल के शिक्षकों के अपनेपन के तले।

अच्छी नींद सपना बन गई, तो जाइए नींद पर्यटन पर

नींद पर्यटन तेजी से उभरते स्वास्थ्य पर्यटन का हिस्सा है, जो आज सालाना 800 अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार

बन चुका है।कल्पना कीजिए कि आप एक लंबी यात्रा के बाद होटल पहुंचते हैं और वहां स्लीप बटलर स्वागत करने के साथ आपको तकिए के साथ अन्य सेवाओं की सूची पेश करता है। फिर आपको 'नींद-ध्यान सत्र' में बुलाया जाता है और आप एक ऐसे कमरे में पहुंचते हैं, जिसमें एआई-तकनीक वाला स्मार्ट बिस्तर व अन्य सुविधाएं हैं।पारंपरिक रूप से छुट्टियां मौज-मस्ती करने, घूमने, दर्शनीय जगहों की यात्रा के लिए होती हैं। लेकिन स्लीप टूरिज्म यानी नींद पर्यटन सिर्फ अच्छी नींद के लिए होता है, जिसमें छुट्टियां लेकर मजे से सोइए। नींद पर्यटन तेजी से उभरते स्वास्थ्य पर्यटन का हिस्सा है। स्वास्थ्य पर्यटन सालाना 800 अरब डॉलर से ज्यादा का कारोबार बन चुका है। आज दुनिया भर में पर्यटकों के लिए होटलों में विलासितापूर्ण आरामगाह हैं। नींद पर्यटन के बढ़ने का मतलब है कि ज्यादातर लोग अच्छी नींद से वंचित हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक-तिहाई से ज्यादा वयस्क सात से नौ घंटे की पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे है, जो बेहद जरूरी है। अपर्याप्त नींद जीवन में मानसिक स्वास्थ्य, हृदय रोग, चयापचय रोग और किसी भी कारण से होने वाली मौत सहित कई समस्याएं खड़ी कर देती है। लेकिन क्या कोई होटल या कृत्रिम मेधा तकनीकयुक्त ऐशो-आराम वाली जगह व सुविधाएं आपको अच्छी नींद दे सकती है? नींद पर्यटन उद्योग में उपलब्ध ज्यादातर सेवाओं का मकसद शयनकक्ष को ग्राहकों के अनुकूल बनाना होता है। अच्छी नींद के लिए अच्छे गद्दे, तकिए और शांत वातावरण चाहिए। लोग जितनी अच्छी नींद लेंगे, उसकी गुणवत्ता उतनी ही बेहतर होगी।

अश्विन के हाथ में बल्ला गेंदबाजों को ब्लू कॉलर के रूप में इस्तेमाल करते हैं बल्लेबाज

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अश्विन को उनकी 'बॉलिंग स्किल' के लिए अधिक याद किया जाएगा। लेकिन क्रिकेट पर उनके संस्मरणों की किताब के कवर पर वह हाथ में बल्ला पकड़े हुए क्यों हैं?जब मैंने क्रिकेट पर आर अश्विन के संस्मरणों की किताब का कवर देखा तो इस बात से चकित रह गया कि उसमें लेखक बल्ले के हैंडल को उम्मीद से अपने हाथों से पकड़े सफेद कपड़ों में बैठा है। ऐसा

लग रहा है, जैसे वह विकेट गिरने का इंतजार कर रहा हो और ड्रेसिंग रूम से मैदान पर जाने के बारे में सोच रहा हो।हालांकि मैं यह जानता हूं कि अश्विन बल्लेबाजी कर सकते हैं, लेकिन उनके संस्मरणों की किताब के प्रकाशित होने से काफी पहले लोग उन्हें स्कूली क्रिकेट में विकेट लेने के बजाय रन बनाने की क्षमता के लिए जानते थे। मैंने अश्विन को ज्यादा खेलते नहीं देखा है। मैं आमतौर पर टेस्ट क्रिकेट देखता हूं। फिर भी मैंने टीवी पर उन्हें हाथ में बल्ला लेकर खेलते हुए देखा है। मैं अपनी स्मृति में उन्हें एक तेज गेंदबाज के सामने खड़ा और गेंद को शानदार तरीके से पॉइंट के पार पहुंचाते देखता रहा हूं या मैं उन्हें स्पिनर की तरफ तेजी से ट्रैक पर कूदते और गेंदबाज के सिर के ऊपर से गेंद को साइट स्क्रीन पर उछालते देखता रहा हूं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन द्वारा खेली गई दो सबसे महत्वपूर्ण पारियों में इन दोनों में से कोई भी शॉट ज्यादा मायने नहीं रखता। ये पारियां वर्ष 2021 के जनवरी और फरवरी, लगातार दो महीनों में अलग-अलग मैदानों पर अलग-अलग टीमों के खिलाफ खेली गई थीं। इनमें से पहली पारी में अश्विन ने हनुमा विहारी के साथ मिलकर सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण को विफल करते हुए 40 ओवर तक एक साथ खेलकर अपनी टीम को एक ऐतिहासिक ड्रॉ तक पहुंचाया। उस पारी में अश्विन या तो फ्रंट फुट पर मजबूती से प्रहार करते दिखे या बैक फुट पर चतुराई से बचाव करते। दो ओवरों के बीच में भारत के इन दो खिलाडि़यों के बीच लंबी बातचीत होती थी। दूसरी पारी अश्विन के घरेलू मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई थी। भारत ने पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल की थी, फिर भी दूसरी पारी में 106 रन पर 6 विकेट खो दिए थे। तब अश्विन आए और कोहली, कुलदीप, इशांत और सिराज के साथ साझेदारी करके भारत को 286 के कुल स्कोर तक पहुंचाया, जहां से आसानी से जीत मिल सकती थी। अश्विन ने खुद शतक बनाया, जिसमें ऑफ साइड पर कोई बैकफुट फोर्स नहीं थी, केवल कुछ डिफेंसिव प्रोड्स और एकाध लॉफ्टेड शॉट थे, लेकिन स्क्वायर के पीछे और सामने बहुत सारे शानदार स्वीप थे। सिर्फ मैं ही नहीं, जो लोग उनकी किताब खरीदेंगे, वे भी जानते हैं कि अश्विन बल्लेबाजी कर सकते हैं। फिर भी भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अश्विन को उनकी 'बॉलिंग स्किल' के लिए अधिक याद किया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि 500 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले अनिल कुंबले के अलावा किसी अन्य की तुलना में भारत के लिए सबसे अधिक टेस्ट मैच जीतने वाले व्यक्ति ने अपने संस्मरणों की किताब क्यों प्रकाशित की, उसे प्रचारित किया और उसके कवर पर खुद को बल्ला पकड़े हुए क्यों दिखाया मैं अश्विन से कभी नहीं मिला, लेकिन मैंने उनके बारे में जो कुछ पढ़ा और सुना है, उससे लगता है कि वह दृढ़ और विचारवान व्यक्ति हैं। इसलिए यह काफी हद तक निश्चित है कि यह तस्वीर प्रकाशक या लेखक के लेखन सहयोगी सिद्धार्थ मोंगिया द्वारा नहीं, बल्कि अश्विन द्वारा ही चुनी गई होगी। फिर वह गेंद के बजाय बल्ला पकड़े कवर क्यों चाहते होंगे? मैं इस सवाल का कोई निश्चित जवाब नहीं दे सकता (शायद समय के साथ अश्विन दे सकें)। मैं अनुमान लगा सकता हूं। क्या उस तस्वीर में कोई एक या उससे अधिक छिपा हुआ संदेश है? क्या अश्विन हमारा ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रहे थे कि विश्व और भारतीय क्रिकेट की दुनिया में गेंदबाजों की तुलना में बल्लेबाजों को अधिक पैसा, प्रसिद्धि, प्रशंसक, टीवी विज्ञापन, 'प्लेयर ऑफ द मैच' एवं 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' पुरस्कार, सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अधिक अनुरोध मिलते हैं क्रिकेट के खेल में बल्लेबाज लाड़-प्यार से पाले जाने वाले अभिजात वर्ग की तरह हैं और गेंदबाज अतिश्रम से पीडि़त अधीनस्थ। क्या अश्विन तस्वीर के चयन और खेल में अपनी बेहतर स्थिति के माध्यम से अपनी बात को अधिक सूक्ष्मता और संवेदनशीलता से कह रहे हैं? मैंने इस बारे में लिखा है कि क्रिकेट के खेल में मैच जिताने वाले बल्लेबाज, मैच जिताने वाले गेंदबाजों की तुलना में कहीं ज्यादा लाभ प्राप्त करते हैं। निराशाजनक रूप से यह भेदभाव सिर्फ पैसे के मामले में नहीं, उससे कहीं आगे तक जाता है। बल्लेबाज स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग ने क्रमशः 57 और 72 टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की, जबकि शेन वॉर्न को कभी भी यह जिम्मेदारी नहीं दी गई। वॉर्न एक शानदार क्रिकेट रणनीतिकार थे और मुझे कोई संदेह नहीं है कि वे वॉ या पोंटिंग से भी अधिक सफल टेस्ट कप्तान होते। यह पूर्वाग्रह भारतीय कप्तान के चयन में भी मौजूद है। विराट कोहली ने 68 और रोहित शर्मा ने 16 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया है, जबकि अश्विन ने कभी भारत की कप्तानी नहीं की है। इसका आंशिक कारण यह भी हो सकता है कि पहले वाले दोनों बल्लेबाज हैं, जबकि अश्विन मुख्य रूप से एक गेंदबाज हैं। हम जानते हैं कि अश्विन देश के सबसे बुद्धिमान क्रिकेटरों में से एक हैं। यह निश्चित रूप से तय है कि अगर चेनन्ई के इस खिलाड़ी को अपने देश की कप्तानी करने का मौका मिलता तो वह इसमें अच्छा प्रदर्शन करते, क्योंकि इंग्लैंड के रे इलिंगवर्थ और ऑस्ट्रेलिया के रिची बेनॉड के उदाहरण बताते हैं कि स्पिन गेंदबाज बेहतरीन टेस्ट कप्तान बन सकते हैं। मुझे नहीं लगता है कि अश्विन द्वारा कवर पर फोटो का चयन उनकी कप्तानी की महत्वाकांक्षाओं के बारे में किसी तरह का संकेत है। ऐसा लगता है कि वह हमें मैदान पर और मैदान के बाहर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ व्यवहार करने के तरीकों में सामान्य पूर्वाग्रहों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। एक तीसरा कारण यह हो सकता है कि अश्विन को वास्तव में बल्लेबाजी करना पसंद है। वैसे, शेन वॉर्न और अनिल कुंबले को भी बल्लेबाजी करना पसंद था। शेन वार्न को इस बात का हमेशा अफसोस रहा। उन्होंने 12 टेस्ट में अर्धशतक बनाए, लेकिन उनका उच्चतम स्कोर 99 रन रहा। हालांकि लोगों को यह बात जरूर याद रखनी चाहिए कि उन्होंने कम से कम एक बार ऐसा मुकाम हासिल किया, जिसे उनके महान ऑस्ट्रेलियाई समकालीन हासिल करने में असफल रहे। ध्यान देने योग्य बात यह है कि वॉर्न द्वारा लिखी गई पांच पुस्तकों में से केवल दो में उनका चेहरा है, जबकि तीन में उन्हें गेंदबाजी करते या विकेट लेते दिखाया गया है। हम कुंबले द्वारा लिखे गए संस्मरण का इंतजार कर रहे हैं। जब भी वह आएगा तो उसके कवर पर 619 टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ी की तस्वीर बल्ला थामे हुए होने की संभावना नहीं है अब जबकि मैंने इसे पढ़ लिया है, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि कम से कम एक अंश मेरे विश्लेषण की पुष्टि करता है कि पुस्तक का कवर ऐसा क्यों है। लेखक की बातों से वह अंश शुरू होता है, आखिरकार गेंदबाज से बल्लेबाज बने और फिर कोच बने डब्ल्यूवी रमन के साथ एक और बातचीत होती है। मैं उन्हें वही बताता हूं, जो मैं ईमानदारी से महसूस करता हूं। गेंदबाजों को बल्लेबाजों द्वारा ब्लू कॉलर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा क्यों है कि अगर कोई गेंदबाज खराब गेंद फेंकता है तो उसे नेट्स में बल्लेबाज से माफी मांगती पड़ती है और अगर बल्लेबाज खराब शॉट खेलता है तो वह माफी नहीं मांगता है।

स्पोर्ट्स

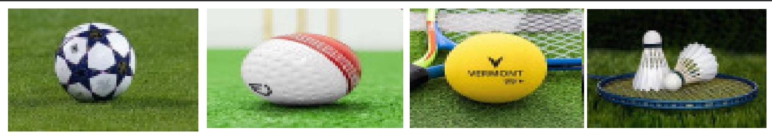

खेल

सीरीज जीतने के लिए शुभमन गिल उठाएंगे बड़ा कदम, इस खिलाड़ी को करेंगे बाहर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय जिम्बाब्वे के दौरे पर है और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। सीरीज का चौथा मैच आज यानी 13 जुलाई को खेला जाना है। इस मैच में जब टीम इंडिया हरारे स्पोर्ट्स क्लब पर मैदान पर उतरेगी तो उसकी 11 को बदलना चाहेंगे। जहां तक है गिल मजबूरी के अलावा किसी और स्थिति में अपनी पिछले मैच की प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं करेंगे। आखिरी समय किसी खिलाड़ी को चोट लग जाए तो बात अलग है। कप्तान बहुत कम ही विनिंग कॉम्बीनेशन को बदलते हैं। गिल अर्धशतक जमा चुके हैं।

कोशिश सीरीज अपने नाम करने की होगी। टीम इंडिया ने पहले मैच में हार के बाद दमदार वापसी की और लगातार दो मैच जीत 2-1 की बढ़त ले ली है। युवा खिलाडियों से सजी इस टीम ने अभी तक प्रभावित किया है, लेकिन अनुभव की कमी साफ देखने को मिली है। पहले मैच में इसी कारण टीम इंडिया को हार मिली थी जबकि तीसरे मैच में भी कुछ ऐसा ही मामला था। कप्तान शुभमन गिल चाहेंगे कि चौथे मैच में टीम बेहतर खेले, लेकिन सवाल ये है कि क्या गिल इस अहम मैच में अपनी प्लेइंग-11 में बदलाव करेंगे या नहीं?भारतीय टीम ने पहला मैच गंवाने के बाद दमदार वापसी की और अगले दो मैच जीतकर पांच मैचों की टी20 सीरीज मे 2-1 आगे हो गई है। सीरीज का चौथा मैच आज खेला जाना है और इस मैच में टीम इंडिया सीरीज भी अपने नाम करना चाहेगी। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल प्लेइंग-11 में एक बदलाव कर सकते हैं। चौथे मैच से पहले गिल के सामने सवाल ये है कि क्या वह अपनी प्लेइंग-यशस्वी ने इस सीरीज में एक ही मैच खेला है और ऐसे में उनका बाहर जाना बनता नहीं है। अभिषेक शर्मा ने दूसरे मैच में तूफानी शतक जमाया था। ऋतुराज गायकवाड़ तीसरे मैच में अर्धशतक जमाने से चूक गए थे। दूसरे मैच में हालांकि उन्होंने अर्धशतक जमाया था। सूंज सैमसन का अनुभव टीम के काम आएगा जिसकी टीम को काफी जरूरत है। रिंकू सिंह जैसा फिनिशर टीम को चाहिए ही।गेंदबाजी में भी भारतीय खिलाड.ियों ने अच्छा किया है। आवेश खान ने अभी तक तीनों मैचों में प्रभावित किया है। खलील अहमद ने हालांकि निराश किया है और इसी कारण उनको चौथे मैच में मौका मिले इसकी संभावना कम नजर आ रही है। उनकी जगह मुकेश कुमार को प्लेइंग-11 में चुना जा सकता है। खलील ने दो मैच खेले हैं लेकिन एक ही विकेट निकाल पाए हैं। शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, आवेश खान, मुकेश कुमार।

फिर होगी भारत और पाकिस्तान की टक्कर, इंग्लैंड में खेला जाएगा महामुकाबला, जो जीता वो बनेगा चैंपियन, 17 साल पुरानी यादें होंगी ताजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान का मैच हमेशा से चर्चा का विषय रहता है। इस मैच का इंतजार दर्शक बड़ी दिलचस्पी से करते हैं। पिछले महीने की नौ तारीख को ये दोनों टीमें टी20 वर्ल्ड कप में भिड़ी थीं। इस मैच में रोमांच की कमी नहीं थी। एक महीने बाद एक बार फिर वही रोमांच दोबारा दिखने वाला है। भारत और पाकिस्तान की टीमें फिर 22 गज की पट्टी पर दो-दो हाथ करेंगी, लेकिन इस बार टारगेट सिर्फ जीतना नहीं बल्कि खिताब अपने नाम करना होग बर्मिंघम के एजबेस्टन में ये घमासान मचने वाला है। भारत और पाकिस्तान इसी मैदान पर खिताब की लड़ाई करेंगे। ये खिताब है वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स का। इस टूर्नामेंट में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके खिलाड़ी खेल रहे हैं। बीती रात खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंडिया चैंपियंस की टीम ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को 86 रनों से हरा फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में उसका सामना पाकिस्तान चैंपियंस से होगा। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा खिताबी मुकाबले में कदम रखा है।भारत और पाकिस्तान का मैच क्रिकेट की सबसे कड़ी प्रतिद्वंदिता में से एक है। ये दोनों टीमें जब भी टकराती हैं पूरी दुनिया की नजरें इस मैच पर होती हैं। एक बार फिर ये दोनों टीमें आमने-सामने होने जा रही हैं। मैदान इंग्लैंड का एजबेस्टन होगा और दोनों टीमें खिताबी जंग करेंगी। इसी के साथ 17 साल पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंडिया चैंपियंस के बल्लेबाजों ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। इंडिया चैंपियंस की तरफ से चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए। सबसे ज्यादा रन ओपनर रॉबिन उथप्पा ने बनाए।

उथप्पा ने अपनी 65 रनों की पारी में 35 गेंदों का सामना किया और छह चौकों के अलावा चार शानदार छक्के मारे। उनके ओपनिंग जोड़ीदार अंबाती रायडू कुछ खास नहीं कर पाए और 14 रन बनाकर आउट हो गए। सुरेश रैना भी पांच रन ही बना सके। कप्तान युवराज सिंह ने फिर मोर्चा संभाला और उथप्पा के साथ मिलकर टीम को 100 के पार ले गए 103 के कुल स्कोर पर जेवियर दोहार्टी ने उथप्पा को आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई चैंपियंस ने यहां राहत की सांस ली लेकिन, फिर युसूफ पठान और इरफान पठान ने उनकी नींदें उड़ा दीं। युवराज ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और 28 गेंदों पर चार चौके, पांच छक्के मार 59 रन बनाए। युसूफ 23 गेंदों पर 51 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के मारे। इरफान 19 गेंदों पर तीन चौके और पांच छक्कों की मदद से 50 रन बनाने में सफल रहे। इन सभी की तूफानी पारियों के दम पर भारत ने 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 254 रन बनाए।विशाल से स्कोर के सामने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के बल्लेबाज फेल हो गए। ये टीम 20 ओवर खेलने के बाद सात विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टिम पेन टीम के बेस्ट स्कोरर रहे। उन्होंने 32 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। नाथन कुल्टर नाइल ने 14 गेंदों पर दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 30 रनों की पारी खेली। भारत की तरफ से पवन नेगी और धवल कुलकर्णी ने दो-दो विकेट लिए। राहुल शुक्ला, हरभजन सिंह और इरफान ने एक-एक विकेट हासिल किया। अब इंडिया चैंपियंस आज रात को पाकिस्तान चैंपियंस से भिड़ेगी।इसी मैच के साथ भारत और पाकिस्तान के 17 साल पुराने मैच की यादें ताजा हो जाएंगी। भारत और पाकिस्तान साल 2007 में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भिड़े थे। दोनों टीमों में कुछ खिलाड़ी वही हैं जो उस फाइनल में एक दूसरे के खिलाफ खेले थे। भारत के तरफ से युवराज सिंह, इरफान पठान, युसूफ पठान, हरभजन सिंह, रॉबिन उथप्पा उस समय भारतीय टीम का हिस्सा थे और यही खिलाड़ी इंडिया चैंपियंस में भी हैं। वहीं पाकिस्तान की तरफ से शोएब मलिक, यूनिस खान, सोहेल तनवीर, मिस्बाह उल हक पाकिस्तान टीम में शामिल थे।

'शुभ-मन' से जिंबाब्वे के खिलाफ टी20आई सीरीज फतह करना चाहेगी भारतीय युवा ब्रिगेड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट की युवा ब्रिगेड जिंबाब?वे के विरुद्ध शनिवार को जब चौथा टी-20 मुकाबला खेलने उतरेगी तो उसकी निगाहें सीरीज अपने नाम करने के साथ ही नए दौर की शुरुआत करने पर भी होंगी। पहले मैच में अप्रत्याशित हार के बाद शुभमन की टीम चुनते समय उनके नाम पर विचार जरूर होगा। उपयोगी स्पिन गेंदबाज होने के साथ वह निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं।वहीं अभिषेक ने दूसरे टी-20 में 47 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की। भारत के पास अब इस प्रारूप में विराट कोहली और रोहित शर्मा विकेट ले चुके हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था, जो आवेश की जगह खेल सकते हैं।वहीं अभिषेक ने दूसरे टी-20 में 47 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की। भारत के पास अब इस प्रारूप में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं हैं, लिहाजा वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत का विकल्प हो सकते हैं। वह एक और अच्छी पारी खेलकर अपना दावा पक्का करना चाहेंगे सैमसन-दुबे से बेहतर प्रदर्शन की आस संजू सैमसन और शिवम दुबे के लिए भी इस सीरीज में बहुत कुछ दांव पर है। टी-20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मुंबई में विजय परेड में भाग लेकर यहां आए दुबे और सैमसन बाकी दोनों मैचों में उम्दा प्रदर्शन करना चाहेंग गेंदबाजों का दबदबा भारतीय टीम प्रबंधन अपने गेंदबाजों खासकर लेग स्पिनर रवि बिशनेई के प्रदर्शन से खुश होगा जिसकी गुगली मेजबान बल्लेबाज खेल ही नहीं पा रहे हैं। बिशनेई, आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर छह-छह विकेट ले चुके हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में विश्राम दिया गया था, जो आवेश की जगह खेल सकते हैं।दूसरी ओर, पहला मैच जीतने के अलावा जिंबाब्वे ने इस सीरीज में कुछ विशेष नहीं किया है। उसके तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी और अर्धशतक जमाने वाले डियोन मायर्स के अलावा कोई खिलाड़ी छाप नहीं छोड़ सका है भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, आवेश खान, मुकेश कुमार, रियान पराग, ध्रुव जुरैल, खलील अहमद, तुषार देशपांडे जिंबाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, तेंदाई चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया, क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुंबा।

गिल की कप्तानी वाली टीम ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा मैच भारी अंतर से जीतकर 2-1 से बढ़त बना ली है। मौजूदा क्रिकेट परिदृश?य में जिंबाब?वे पर जीत बहुत बड़ी नहीं कही जाएगी, लेकिन इससे उन युवाओं में उम्मीद जरूर पैदा होगी, जो आधुनिक क्रिकेट के कुछ दिग्गजों के संन्यास के बाद भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं। इनमें वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। सुंदर पर टिकी उम्मीदें टी-20 क्रिकेट से रवींद्र जडेजा के संन्यास के बाद वॉशिंगटन की नजरें स्पिन ऑलराउंडर के रूप में जगह पक्की करने पर है। इस दौरे पर उन्होंने 4.5 की इकोनामी रेट से छह विकेट लिए। श्रीलंका दौरे के लिए सफेद गेंद नहीं हैं, लिहाजा वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत का विकल्प हो सकते हैं। वह एक और अच्छी पारी खेलकर अपना दावा पक्का करना चाहेंगे सैमसन-दुबे से बेहतर प्रदर्शन की आस संजू सैमसन और शिवम दुबे के लिए भी इस सीरीज में बहुत कुछ दांव पर है। टी-20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मुंबई में विजय परेड में भाग लेकर यहां आए दुबे और सैमसन बाकी दोनों मैचों में उम्दा प्रदर्शन करना चाहेंगे गेंदबाजों का दबदबा भारतीय टीम प्रबंधन अपने गेंदबाजों खासकर लेग स्पिनर रवि बिशनेई के प्रदर्शन से खुश होगा जिसकी गुगली मेजबान बल्लेबाज खेल ही नहीं पा रहे हैं। बिशनेई, आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर छह-छह

टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टेनिस का लुत्फ उठाते हुए नजर आए रोहित शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हाल ही में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद हिटमैन ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का एलान कर दिया था। रोहित ने इन दिनों क्रिकेट से ब्रेक ले रखा है और वह लंदन में हैं। अब रोहित की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिसमें वह विंबलडन का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। विंबलडन 2024 अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। रोहित ने देखा यह मुकाबला रोहित शर्मा ने सेंटर कोर्ट में कालीस अलकराज और डेनियल मेदवेदेव के बीच मैच देखा। रोहित के अलावा भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी मेंस सिंगल का सेमीफाइनल देखते नजर आए। क्रिकेट के इन दिग?गजों के अलावा भारत की स्टार स्क्वैश जोड़ी दीपिका पल्लीकल और सौरव घोषाल ने भी मैच का आनंद लिया। आईपीएल 2024 के बाद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट से सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वह इन दिनों कमेंट्री करते नजर आते हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया था।रोहित शर्मा ने इन दिनों क्रिकेट से ब्रेक ले रखा है और वह लंदन में हैं। अब रोहित की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिसमें वह विंबलडन का लुफ उठाते नजर आ रहे हैं। विंबलडन 2024 अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। रोहित शर्मा ने सेंटर कोर्ट में कालीस अलकराज और डेनियल मेदवेदेव के बीच मैच में भाग लिया। कार्तिक ने कहा, पिछले कुछ दिनों में मुझे जो सन्हे, सपोर्ट और प्यार मिला है, उससे मैं अभिभूत हूं। इस अहसास को संभव बनाने वाले सभी फैंस को मेरा हार्दिक हार्दिक धन्यवाद। पिछले कुछ समय से इस पर काफी विचार करने के बाद, मैंने प्रतिनिधि क्रिकेट खेलने से आगे बढ़ने का फैसला किया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करता हूं और अपने खेल के दिनों को पीछे छोड़ देता हूं क्योंकि मैं आगे आने वाली नई चुनौतियों के लिए तैयार हूं।

राशिफल

मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है

वृष-:आज का दिन आपके लिए मंगलमय रहेगा। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-:आज का दिन भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. आज अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-:आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-:आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे. आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-:आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-:आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।

मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-:आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-:आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

साइना नेहवाल पर किया था अपमानजनक कमेंट, अब गौतम गंभीर के चेले ने मांगी माफी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेलते नजर आए अंगकृष रघुवंशी इन दिनों चर्चा में हैं। इसका कारण उनका एक कमेंट है। गौतम गंभीर की मेंटॉरशिप में खेलने वाले अंगकृष रघुवंशी ने हाल में भारतीय बैडमिंटन कमेंट कर दिया था। इसके बाद वह विवादों में आ गए थे। सोशल मीडिया पर उन?हें फैंस के गुस?से का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बैडमिंटन, टेनिस, बास्केटबॉल को से ज्यादा मेहनत वाला खेल बताया था। साइना ने कहा था के बैडमिंटन, बास्केटबॉल या टेनिस शारीरिक तौर पर काफी

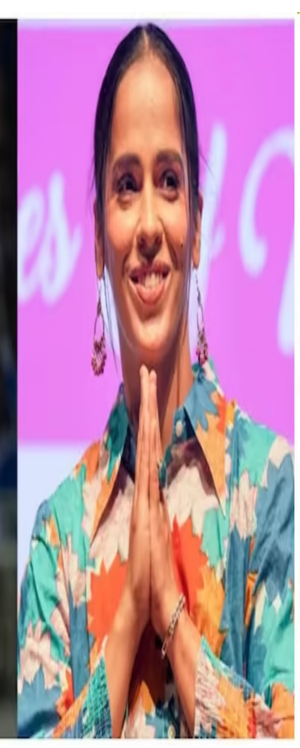

स्टार साइना नेहवाल पर कमेंट कर दिया था। इसके बाद वह विवादों में आ गए थे। सोशल मीडिया पर उन?हें फैंस के गुस्से का सामना करना पड़ा था। मामले को तूल पकड़ता देख क्रिकेटर ने माफी मांग ली है। दरअसल, रघुवंशी ने साइना नेहवाल को लेकर कहा था कि अगर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 150 की रफ्तार से उन्हें गेंदबाजी करेंगे, तो सायना कैसे खेलेंगी। इसके बाद फैंस उन पर भड़क गए थे। साइना ने हाल ही में एक पॉडकास?ट में कहा था उन?हें बुरा लगता है जब क्रिकेट को ज?यादा तवज?जो दी जाती है इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेलते नजर आए अंगकृष रघुवंशी इन दिनों चर्चा में हैं। इसका कारण उनका एक कमेंट है। रघुवंशी ने हाल में भारतीय बैडमिंटन स?टार साइना नेहवाल पर मुश्किल है। वहीं क्रिकेट सिर्फ स्किल्स का खेल है। इस पर अंगकृष रघुवंशी ने कमेंट कर दिया था। 2024 में रघुवंशी का प्रदर्शन अब रघुवंशी ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी है। उन?होंने अपने कमेंट को बचकाना बताया और कहा कि वह इसके लिए शर्मिंदा हैं। क्रिकेटर ने एक?स पर लिखा, मुझे सभी के लिए खेद है, मैंने अपनी टिप्पणी एक मजाक के रूप में कही थी, पीछे मुड़कर देखने पर मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक अपरिपक्व मजाक था। मुझे अपनी गलती का एहसास है और मैं ईमानदारी से माफी मांगता हूं।ठबता दें कि रघुवंशी भारत के लिए अंडर-19 खेल चुके हैं। वह मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने इसी साल कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से डेब?यू किया था। छ्ह्य्थ् 2024 में रघुवंशी ने 10 मुकाबलों में 163 रन बनाए।

जेम्स एंडरसन के संन्यास पर भावुक हुए 'क्रिकेट के भगवान'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला गया पहला इंग्लैंड के स्टार तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला गया पहला टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला

टेस्ट मैच उनके करियर का आखिरी मुकाबला था। उन्होंने पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया था। वह वनडे और टी20 इंटरनेशनल प्रारूप को पहले ही छोड़ चुके थे। जेम्स एंडरसन के संन्यास पर 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर भी भावुक हो गए। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर रिएक?शन का सैलाब आ गया है। भावुक हुए सचिन तेंदुलकर सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, हे जिमी! आपने अपने 22 साल के शानदार स्पैल से खेल प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। आपको बॉलिंग करते हुए देखना खुशी देता था। आप जिस स्पीड, सटीकता, स्विंग और फिटनेस के साथ गेंदबाजी करते, वह अद्भुत रहा। आपने अपने खेल से कई पीढ.ियों को प्रेरित किया है। आपके लिए अच्छे स्वास्थ्य और खुशी के साथ एक शानदार जीवन की कामना करता हूं। आप अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय परिवार के साथ समय बिताने के लिए नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। था। जेम्स एंडरसन के संन्यास पर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर भी भावुक हो गए। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर रिएक्शन का सैलाब आ गया है। वीरेंद्र सहवाग ने एक्स पर लिखा, जिमी क्या शानदार करियर रहा। आपका रिकॉर्ड अमर है। किसी भी तेज गेंदबाज को 704 टेस्ट विकेट से आगे खेलते हुए नहीं देखा, किसी भी तेज गेंदबाज को 188 टेस्ट मैचों के आसपास खेलते हुए नहीं देखा। शानदार करियर के लिए बधाई। एंडरसन ने मई 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ लॉर्ड्स में टेस्ट डेब्यू किया था। उन?होंने अपने करियर में कुल 188 टेस्ट खेले। इस दौरान 350 पारियों में उन्होंने 704 शिकार किए। टेस्ट क्रिकेट में उनकी औसत 26.46 की और इकॅनमी 2.79 की रही। वह टेस्ट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज भी हैं।

गुप्त काशी दर्शन यात्रा की तैयारी पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। शनिवार को गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक सदर विधानसभा कार्यालय पर ट्रस्ट के संरक्षक एवं सदर विधायक माननीय भूपेश चौबे के उपस्थिति में संपनन्‍ हुई। बैठक में प्रत्येक वर्ष पंच तत्व की रक्षा के लिए निकलने वाली गुप्त काशी दर्शन यात्रा की तैयारी पर बिंदुवार चर्चा कर यात्रा की व्यवस्था में तिथि प्रमुख तय किए गए जिसमें प्रथम दिवस के संदीप पांडे जी, द्वितीय दिवस के दीपक पंडित जी, तृतीय दिवस के योगेंद्र बिन्द जी एवं सह प्रमुख जयशंकर यादव जी चतुर्थ दिवस के आलोक सिंह जी और पंचम दिवस के विपिन तिवारी जी एवं सह प्रमुख अजय गुप्ता जी नियुक्त किए गए । बैठक को संबोधित करते हुए गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक रवि प्रकाश चौबे जी ने यात्रा के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि सोनभद्र के प्रकृति संस्कृति पर्यावरण एवं पर्यटन विकास के लिए यह यात्रा लगभग 51 प्राचीन देवस्थानों, भित्ति चित्र, गुफाएं, जलप्रपात एवं प्राचीन दुर्गों का दर्शन करते हुए लोगों को जागरूक करती है । गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट की यह पांच दिवसीय दर्शन यात्रा 13 अगस्त 2024 को 10 बजे सोन त्रिवेणी संगम पर स्थित बाबा सोमनाथ गोठानी में दर्शन पूजन कर प्रारंभ होगी एवं 19 अगस्त को काशी में गंगा सनन एवं बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन कर यात्रा पूर्ण होगी । बैठक को संबोधित करते हुए सदर विधायक भूपेश चौबे जी ने कहा कि गुप्त काशी सेवा ट्रस्ट द्वारा निकलने वाली गुप्तकाशी दर्शन यात्रा से निश्चित रूप से जनपद में प्रकृति संस्कृति एवं पर्यटन के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ी है और गुप्त काशी दर्शन यात्रा के सफलता के लिए शुभकामनाएं दी । बैठक में ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया । बैठक में राकेश देव पांडे, अजय गुप्ता, महेन्द्र पाण्डेय, रमेश कुमार माली, सुशील कुमार राम, मनीष अग्रहरि, संजय प्रताप मौर्य , रुबी गुप्ता, राकेश राय, प्रशांत मिश्रा , ललित सिंह, आशीष पटेल संदीप पाण्डेय इत्यादि सदस्य बैठक में उपस्थित रहे ।

ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में जनपद रैंक डी ग्रेड पहुचा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नमिता शरण जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि सम्बंधित

समस्त ग्राम पंचायत सचिव वही सम्बंधित समस्त ग्राम प्रधान जिले के समस्त विकास खण्ड, में हुए विकास कार्यकर्मों के फ्लैगशिप प्रोजेक्ट की माह- जुलाई, 2024 केन्द्रीय वित्त एवं राज्य वित्त आयोग की प्रगति के सापेक्ष ण्श- डैशबोर्ड प्रदर्शित हो रहे ग्राम पंचायतों हस्तांतरित हो रहे धनराशि के भुगतान विकास कार्यों को लेकर अवगत कराना है कि शासन के प्राथमिकता कार्यक्रम ण्श-डैशबोर्ड की समीक्षा मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है, जिसमे विभाग के प्रपत्र केन्द्रीय वित्त एवं राज्य वित्त आयोग के तहत ग्राम पंचायतों को प्रदत धनराशि के व्यय सम्बन्धी समीक्षा हेतु बिंदु सम्मिलित है। पूर्व बैठक में माह जून 2024 की जनपद की प्रगति बहुत कम थी। जिसमे ग्राम पंचायतों में अभी भी अत्यधिक मात्रा में धनराशि अवशेष है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि ग्राम पंचायतों द्वारा विकास कार्यों में रूचि नहीं ली जा रही है। शासन/मण्डल एवं जनपद स्तर पर इसकी समीक्षा की जा रही है, जिससे विभाग की प्रगति अत्यंत खराब प्रदर्शित हो रही है। जिसमे उत्त्क के क्रम में ण्श- डैशबोर्ड पर माह जून 2024 में केन्द्रीय वित्त एवं राज्य वित्त आयोग की प्रगति रिपोर्ट में जनपद की रैंक ठडीठ ग्रेड में है। जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 11.07.2024 को जनपद स्तरीय समीक्षा की गयी जिसमे अधोहस्ताक्षरी को निर्देशित किया कि जिन ग्राम पंचायत सचिवों की प्रगति कम है उनका माह जुलाई, 2024 का वेतन अवरुद्ध करते हुए दिनांक- 20.07.2024 तक उत्त्क मदों में प्रगति कराना सुनिश्चित करें। जिसके क्रम में दिनांक- 11.07.2024 को आपको आवंटित ग्राम पंचायत के व्यय के सम्बन्ध में आप सभी से वार्ता किया गया जिसमे आपको भुगतान प्रगति बढ़ाये जाने हेतु निर्देशित किया गया । वही सीडीओ ने बताया कि उपरोक्त के क्रम में आपको निर्देशित किया जाता है कि आपके ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त आयोग की अवशेष धनराशि का शासनदेशानुसार ग्राम पंचायत द्वारा तैयार कायर्योजना के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण कराकर भुगतान दिनांक- 20.07.2024 तक कराना सुनश्चित करें। जिससे उत्त्क की स्थिति से जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया जा सके। साथ ही साथ सम्बंधित ग्राम पंचायत सचिव का माह- जुलाई, 2024 का वेतन अवरुद्ध करते हुए निर्देशित किया जाता है कि तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें कि किन परिस्थिती में आपके आवंटित ग्राम पंचायतों में विकास कार्य नहीं हो पा रहा है जिसके कारण भुगतान की कार्यवाही भी लंबित है, उपरोक्त की स्थिति के लिए सम्बंधित समस्त के विरुद्ध विभागीय/निलम्बन की कार्यवाही कर दी जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी ।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा0लि0 1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज (उ.प्र.) 211008 से मुद्रित एवं सी- आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसा नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।